दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 16 जनवरी, 2015

पश्चिमी सभ्यता आगे और हमारी संस्कृति पीछे जा रही है

हिंदी विवि में समाज विज्ञान में शोध प्रविधि पर कार्यशाला

ब्यूरो | वर्धा

आज के समय में विकास के मामले में हम पश्चिम अवधारणा को अधिक महत्व दे रहे हैं। इससे हमारी सभ्यता तो आगे जा रही है परंतु संस्कृति पीछे छूटती जा रही है। उक्त कथन बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में लिबरल आर्टस विभाग के निदेशक तथा जनसंचार विषय के विद्वान डा.विजय धारूरकर ने कही। वे महात्मा गांधी विवि में समाज विज्ञान में शोध प्रविधि पर आयोजित कार्यशाला में बुधवार को संचार माध्यम एंव शोध प्रविधि विषय पर बोल रहे थे। डा. धारूरकर ने अपने व्याख्यान में संचार में चार प्रकार के अनुसंधान की बात कही । उन्होंने बताया कि माध्यम, समाज, संस्कृति ओर संदेश केंद्रीत अध्ययन के द्वारा हम मिडिया को लेकर अनुसंधान कर सकते हैं। इसके लिए अपनाई जाने वाली अनेक विधियों का उल्लेख उन्होंने किया। उन्होंने संचार माध्यमों के विद्वान डेनिस मेकविल, विलबुर स्रॅम, श्रीनिवास मेलकोटे, आदि के सिद्धातों का संदर्भ अपने व्याख्यान में किया। उन्होंने गांव की तरफ मिडिया की दृष्टि की भी बात कही । आजादी के पहले गांव और कस्बों से संबंधित समाचारों को मीडिया में एक प्रतिशत से भी कम जगह मिलती थी। उसे आज पांच प्रतिशत तक का स्थान मिल रहा है।

इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि संचार माध्यमों में संख्यातमक परिवर्तन तो आए ही है परंतु हमें सोचना होगा कि संख्यात्मक वृद्धि को गुणात्मक विकास में कैसे परिवर्तित किया जाए। उन्होंने कहा कि संचार माध्यमों को ग्लोबलाईजेशन नहीं हुयमनाईजेशन पर ध्यान देना चाहिए ताकि गांधी जी के अनुसार जो चाहे वह जरूर दो परंतु उससे आगे बढ़कर भी दो इस सिद्धांत का पालन हो सके। उन्होंने शोधार्थियों से अपील की कि समाज को बदलने की कोशिश के लिए अध्ययन ही असली ध्येय होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मिथिलेश ने किया। व्याख्यान के दौरान महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार प्रमुखता से उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 16 जनवरी, 2015

प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला प्रारंभ

मनुष्य की बौद्धिकता और प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यकः प्रा मूर्ति

ब्यूरो|वर्धा.

भाषा को जानने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी के माध्यम से विस्तार एवं विकास करने के लिए मनुष्य की

बौद्धिकता और अधुनिक प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक है। भारत सरकार ने डिजिटल भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कार्य-संस्कृति को अधिक से अधिक बढ़ावा देना चाहिए और इसके केंद्र में सभी भारतीय भाषाओं को रखना चाहिए। उक्ताशय के विचार हैदराबाद केंद्रीय विवि के प्रोफेसर तथा सुविख्यात भाषाविज्ञानी प्रो. कवि नारायण मूर्ति ने व्यक्त की। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के भाषा प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर बतौर मुख्य प्रशिक्षक बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की। यह कार्यशाला 15-19 जनवरी तक आयोजित है। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सहभागिता कर रहे है। प्रो. मूर्ति ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिक का इस्तेमाल करते हुए हमें कम्प्यूटर को बहुसंख्य लोगों तक पहुंचाना चाहिए। इस चुनौती को अमली जामा पहनाने के लिए कम्प्यूटर साक्षरता एक अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 1600 भाषाएं अस्तित्व में हैं। हमारा भविष्य बोली आधारित होगा ओर इन भाषाओं के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हमें प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना आवश्यक है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा अन्य भाषाओं के साथ हिंदी का भविष्य भी प्रौद्योगिकी के साथ जुड़ा हुआ है। आज हमें बटन पर आधारित नई साक्षरता की जरूरत है। इससे भारत सरकार के डिजिटल भारत, ई-गवर्नेंस आदि महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। विवि सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में तत्पर हैं। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ने का काम भाषा प्रौद्योगिकी विभाग कर रहा है और इन भाषाओं के लिए भी निरंतर रूप से कार्यशालाएं आयोजित करने की विभाग योजना है। उद्घाटन सत्र में हैदराबाद केंद्रीय विवि के शोधार्थी राम अनिरूद्ध, शिवेंद्र बाबू, विभाग के अध्यापक, डा. अनिल कुमार पाण्डेय, जगदीप दांगी, डा. एच. ए. हुनगुंद, डा. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डा. धनजी प्रसाद आदि के साथ प्रतिभागी एवं शोधार्थी उपस्थित थे। सत्र का संचालन आराधना सक्सेना ने किया।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार 16 जनवरी 2015

हिंदी विवि में गांधी विचार मंच का गठन

ब्यूरो | वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में पिछले एक वर्ष से सक्रिय गांधी विचार मंच का विस्तार किया गया है। इसकी 9 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति गठित की गई। मंच के संयोजक नीरज कुमार और सह संयोजक द्वय रमेश कुमार राज एवं अभिषेक राय को नियुक्त किया गया है। सदस्य के रूप में चंदन कुमार, रूपाली वर्मा, भारती देवी, हुस्न तबस्सुम, मनोज कुमार चौधरी एवं मनीषा बरामकर को नामित किया गया। यह निर्णय गांधी हिल्स पर बुधवार को हुई एक बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डा. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डा. राकेश मिश्र, सहायक प्रोफेसर, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग ने अपने विचारों से सभी को परिचित कराया। कार्यक्रम में डा. मुकेश कुमार, यूजीसी-पीडीएल फेलो भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंच के संयोजक नीरज कुमार ने किया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि माननीय कुलपति से मंच के संरक्षक और विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों के सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में मंच को मार्गदर्शक देने के लिए अनुरोध किया जाएगा। इसके अलावा गांधी विषयक विचार के अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा जाएगा। मंच ने अपनी अकादमिक सक्रियता को बढ़ाते हुए आगामी 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में गांधी और सुभाष दूरियां एवं नजदीकियां विषय पर परिचर्चा आयोजित करेगा। इस परिचर्चा में संबंधित विषय के विशेषज्ञों सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के अलावा सामान्य सदस्य अमृत अर्णव, कुमारी मीरा रानी, विजय लक्ष्मी सिंह, नेहा नेमा, दीपक निरपतकर, दिलीप कुमार द्विवेदी, बृजेश कुमार शाक्य, भानू कुशवाहा, संजीव कुमार, निषाद और अन्य शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

सोमवार 12 जनवरी 2015

खेल भावना को विकसित करें:प्रो. मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव

ब्यूरो|वर्धा.. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में वार्षिक खेल महोत्सव के उद्घाटन पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि खेल की भावनाओं को विकसित करने की आवश्यकता है । विद्यार्थी ओर विवि परिवार के सदस्यों में खेल के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए ऐसे महोत्सवों का आयोजन जरूरी है।

विवि के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा संकुल में शुक्रवार से वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन आदि खेल आयोजित होंगे। प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि खेल के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव विकसित हो। महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन क्रिकेट प्रतियोगिता से हुआ जिसमें कुलपति ने बल्ला थामकर एवं प्रतिकुलपति ने बॉलिंग कर किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. विजय कौल, प्रो. देवराज, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. के.के. सिंह, प्रो. जगदीश दांगी, डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, डा. रामानुज अस्थाना, डा धरवेश कठेरिया, अमित राय, संदीप वर्मा, गोपाल राम, रवि कुमार,अनिर्वाण घोष, अंजनी राय, राजीव पाठक, बी एस मिरगे आदि सहित प्रतियोगिता में शामिल होने वाले कर्मी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

सोमवार. 12 जनवरी 2015

गांधीजी के विचार आचार में लाएं : मिश्र

ब्यूरो | वर्धा

गांधी जी कर्म से मनुष्य को जोड़ते थे। उनकी शब्दावली में मनुष्य की बात है। आज के समय में गांधी विचार को आकलन करते हुए हमें उनके विचार कर्म में परिवर्तित करने की जरूरत है। उक्त विचार कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के सौ वर्ष पूरे होने पर विवि में बापू और आज का समय विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने अपनी बातें रखी। 9 जनवरी को हबीब तनवीर सभागार में आयेजित कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, डा. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि गांधी विचार के प्रचार-प्रसार को अधिक गति देने के लिए विवि में गांधी विचार मंच का गठन होना चाहिए। विद्यार्थियों में गांधी जी के जीवन मूल्यों को रोपित करने की दिशा में हमें अपने पाठ्यक्रमों में भी गांधी विचार को स्थान देना चाहिए ताकि गांधी के जीवन दर्शन से विद्यार्थी परिचित हो सके और उनके विचार आचरण में ला सके। उन्होंने कहा कि गांधी जी के समय में जो सवाल थे वे आज भी हैं, उन सवालों को टकराते समय हमें आत्मा-साक्षात्कार कर उसे हल करना चाहिए। गांधी और हिंदी के रिश्ते का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि गांधी जी ने हिंदी को संपर्क भाषा में इस्तेमाल किया था। हमें चाहिए कि विभिन्न मंचों के माध्यम से हिंदी में संपर्क व्यापक करें। प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने गांधी जी समग्र जीवन दृष्टि और उनके आचार-विचार और व्यवहार पर अपनी बात रखी। प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि आज गांधी पहले से अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं क्योंकि हिंसा पर्यावरण, प्रदूषण आदि समस्याओं का हल गांधी विचार में ही निहित है। डा. नृपेंद्र प्रसाद मोदी दक्षिण अफ्रीका के संस्मरण सुनाते हुए अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जी मोहनदास बनकर दक्षिण अफ्रिका गए थे ओर वहां से महात्मा बनकर लौटे। अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के डा. मनोज कुमार राय ने कहा कि जीवन के हर पहलुओं में गांधी की उपस्थिति है। शिक्षक संघ के अध्यक्ष तथा सहायक प्रोफेसर डा. धरवेश कठेरिया ने कहा कि गांधीजी ने जो कहा था उसे अमल में लाने की आवश्यकता है।

शिक्षा विभाग के अध्यक्ष तथा कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरविंद कुमार झा ने गांधी की शिक्षा को आज की शिक्षा से जोड़ते हुए अपनी बात रखी। सहायक प्रोफेसर शंभू जोशी ने भी अपने विचार रखे। प्रारंभ में विद्यार्थियों ने वैष्णव जन तो भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन नाट्यकला एवं फिल्मी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डा. सुरजीत कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गांधीजी पर आधारित विट्ठल भाई झवेरी की फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निधि गौंड, धर्मेंद्र शंभरकर ने सहयोग किया।

दैनिक भास्कर

गुरुवार 8 जनवरी 2015

हिंदी विवि में डा. भदन्त आनंद कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान का आयोजन

डा. कौसल्यायन यायावर ऋषि थे : मिश्र

जिला प्रतिनिधि | वर्धा. डा.भदन्त आनंद कौसल्यायन निरंतर चलनेवाले यात्री थे। दस वर्ष तक वर्धा में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने हिंदी की सेवा की। वे यायावर ऋषि थे। यह बात प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कही। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सोमवार को डा. भदन्त आनंद कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. एल. कारुण्यकरा ने की। विवि के डा. भदन्त आनंद कौसल्यायन केंद्र में स्मृति व्याख्यान-2015 का आयोजन किया गया था। व्याख्यान में डा. कौसल्यायन के सहयोगी तथा केंद्र के संस्थापक निदेशक डा. एम. एल. कासारे व कवि भोला वाघमारे उपस्थित थे। प्रो. मिश्र ने कहा कि यह व्याख्यानमाला हर वर्ष जारी रहेगी ताकि डा. कौसल्यायन के विचारो के बीज बचे रहे और आनेवाली पीढ़ी को उसका लाभ होता रहे। डा. एम.एल.कासारे ने डा. कौसल्यायन के बौद्ध धम्म और हिंदी के प्रचार-प्रसार में योगदान को याद करते हुए उनके जीवन एवं कार्यो पर प्रकाश डाला। भोला वाघमारे ने कविताओं के माध्यम से अपनी बात रखी। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. कारुण्यकारा ने केंद्र द्वारा चलायी जा रही गतिविधियों का जिक्र करते हुए डा. कौसल्यायन के विचारो के प्रचार-प्रसार में केंद्र की भूमिका अधोरेखित की। इस अवसर पर केंद्र की सहायक प्रोफेसर शुभांगी शंभरकर को पाली एवं बौद्ध अध्ययन विषय में जेआरएफ उत्तीर्ण करने पर तथा लॉर्ड बुद्धा टीवी के ब्युरो प्रमुख डा. प्रवीण वानखेडे को एवं केंद्र के कर्मी मालती चौहान, अमन ताकसांडे, अनिकेत गायकवाड एवं सुहास कांबले को शाल एवं पुष्पगुच्छ से प्रतिकुलपति प्रो. मिश्र द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के प्रभारी निदेशक डा. सुरजीत कुमार सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रोफेसर शुभांगी शंभरकर ने किया। इस अवसर पर डा. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, डा. डी.एन.प्रसाद, डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, रवि शंकर सिंह, बी.एस.मिरगे आदि सहित शोधार्थी एवं छात्र प्रमुखता से उपस्थित थे। व्याख्यानमाला को सफल बनाने में शोधार्थी भन्ते राकेश आनंद, दिनेश पटेल, गोविंद, मीणा, लालविजय प्रभाकर, सुमन देवी, रंजना पाटिल और भाग्यश्री रामटेके ने सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन भन्ते राकेश आनंद एवं शरद सोनवणे द्वारा विश्व शांति की गाथाएं प्रस्तुत कर की गई।

दैनिक भास्कर

. गुरुवार. 8 जनवरी, 2015

हिंदी विवि में गुजरात के कलाकारों का सिद्धि धमाल नृत्य

जिला प्रतिनिधि|वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर जुनागड, गुजरात के कलाकारों ने पारंपारिक सिद्धि धमाल नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थितों का मन मोह लिया। कलाकारों में साजिद सिदी, आशिक सिदी, सिदिक सिरी, फारुख, वसीम सिदी, अल्लारखा सिदी, मुख्तियार सिदी, तोसिफ सिदी, अयूब सिदी, इमरान सिदी, मोहसिन सिदी, शाहरुख सिदी, सिराज सिदी आदि शामिल थे। इन कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा के साथ वाद्ययंत्रों पर नृत्य कर उपस्थितों को मंत्रमुग्ध किया।

दैनिक भास्कर
मंगलवार. 6 जनवरी 2015

शैक्षणिक कार्य दुनिया के लिए मिसाल है: डा. चव्हाण

जिला प्रतिनिधि|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता स्वामी रामनंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय नांदेड में अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा.दिलीप चव्हाण ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के शैक्षणिक कार्य दुनिया के लिए एक मिसाल है। बतौर एक शिक्षिका सावित्रीबाई एक ऐसी शिक्षा सुधारक थी जिसने विपरित परिस्थितियों में तत्कालीन समाज से लोहा लेकर महिलाओं की शिक्षा की दिशा में कार्य किया। उन्होनें कहा कि फुले दम्पत्ती दुनिया में महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करनेवालों के रुप में जाने जाते हैं। और उन्होने सत्यशोधक समाज के माध्यम से रुढ़ी वादी समाज के फ्रेम को तोड़कर जाति उन्मूलन, परिवार के पुनर्स्थापन के लिए कार्य किए। हबीब तनवीर सभागार में संपन्न कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकूलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की। प्रारंभ में सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग में विभागीय समन्वयक प्रतिभा गजभिये, सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की अधीक्षक अवंतिका शुक्ला मंचासीन थे। प्रतिकूलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने अध्यक्षीय उदबोान में कहा कि महाराष्ट्र सुधारकों की जमीन है। उन सुधारको को याद करहमें उनके कार्यो को चरितार्थ करना चाहिए। उन्होनें विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे जो सोचते है वह करें औरदूसरों को करने के लिए प्रेरित भी करे। उन्होनें कहा कि सावित्रीबाई ने शिक्षा के द्वारा परिवर्तन की बात कर आधुनिक समाज में शिक्षा का दीप जलाया है। कार्यक्रम में प्रतिभा गजभिये ने विभिन्न कानूनों को जिक्र करते हुए उसके प्रति विद्यार्थियों को ध्यान आकर्षित किया। समारोह में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जिसमें भारती देवी, चित्रलेखा अंशु, उपासना, किरण कुंभरे, विजयलक्ष्मी आदि ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। स्वागत वक्तव्य अवंतिका शुक्ला ने दिया शोधार्थी नाजिया आलम तथा सहयोगी छात्राओं ने ये मालिक तेरे बंदे हम गीत प्रसतुत किया। कार्यक्रम में वर्धा के गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
मंगलवार. 6 जनवरी, 2015

विवि की विकास यात्रा में हम सब साथ हैं

» हिंदी विवि में मंथन के अंतर्गत वक्ताओं ने दिया भरोसा

जिला प्रतिनिधि | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के मौके पर पिछले 17 वर्ष की उपलब्धियां और विवि के विकास के लिए आनेवाले वर्षों में प्रगति की दिशा सुनिश्चित करने के लिए मंथनःस्वप्न और यथार्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, गोरखपुर विवि में विज्ञान विभाग के प्रो. महेश्वर मिश्र, जय महाकाली शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचारमंत्री तथा विवि के पूर्व ओएसडी डा. हेमचंद्र वैद्य, अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के सदस्य तथा दाते स्मृति संस्था के अध्यक्ष प्रदीप दाते, लॉयन्स क्लब के अनिल नरेडी, गांधी विचार परिषद के निदेशक भरत महोदय आदि वक्ताओ ने प्रमुखता से विवि के बहुमुखी विकास की सराहना करते हुए आगे का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में प्रकिुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सरजू प्रसाद मिश्र विशेष रूप में उपस्थित रहे। प्रस्तावना मंथन के संयोजक, संचार एंव मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय ने किया तथा भूमिका जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे ने रखी।

प्रो. मनोज कुमार ने कहा, विवि को उन्मुक्त लोकतांत्रिक विचार के प्रचार- प्रसार का केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने साहित्य, अनुवाद व समाजविज्ञान के क्षेत्र में विवि की ऊंचाइयों का उल्लेख किया गुरुजी अध्ययन केंद्र एक साथ होने चाहिए। उन्होंने विवि के प्रांरभ काल से वर्तमान काल के प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. महेश्वर मिश्र ने ज्ञान के लिए हिंदी को सक्षम बताते हुए कहा कि कार्पोरेट भाषा बगैर अपने अवजार नहीं बेच सकते। इसलिए हमें एक से अधिक भारतीय भाषाओं पर काम करना होगा। डा. हेमचंद्र वैद्य ने कहा कि विकल्प की तलाश करने की दिशा में इस विवि की स्थापना हुई है। उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधनों के साथ हमें अकादमिक विकास पर और ध्यान देना चाहिए। प्रदीप दाते ने कहा कि महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा की तर्ज पर विवि ने पाठ्यक्रम बनाने चाहिए। भरत महोदय ने कहा कि हमें विवि के आस -पास के माहौल को देखकर उस दिशा में कार्य करना चाहिए और ज्ञान प्राप्ति के लिए जहां से हमें वह मिल रहा है उसे प्राप्त करते रहना चाहिए। पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री ने कहा कि विवि की स्थापना गांधी की कर्मस्थली वर्धा में हो इसके लिए हमने 25 वर्ष पूर्व काम किया। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ वार्ता और विमर्श कर हमने इसे वर्धा में क्यों स्थापित किया जाए इसकी सफल दलीलें पेश की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विचारों के प्रजातंत्र की उपस्थिति ही विवि की केंद्रीय भूमिका में है। उन्होंने आह्वान किया कि क्षमता और साधनों का भरपूर उपयोग कर लगन और निष्ठा के साथ विवि के लिए समर्पित कार्य करना चाहिए। मंथन में जो विचार सामने आए हैं उन पर अमल करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कार्यक्रम में अनिल नरेडी, प्रो. विजय कौल, डा. रवींद्र बोरकर, डा.ऋषभ मिश्र, शोधार्थी अभिषेक त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, नेहा नेमा आदि ने विवि के विकास पर अपनी बातें रखी। कार्यक्रम का संचालन डा. अनवर अहमद सिद्दीकी

सोमवार, 5 जनवरी, 2015

दैनिक भास्क

'महाराष्ट्र का लोकरंग' की रंगारंग प्र

जिलाप्रतिनिधि|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गीत एवं नाटक विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार पश्चिम क्षेत्र पुणे द्वारा महाराष्ट्र का लोकरंग कार्यक्रम के माध्यम से महाराष्ट्र की विभिन्न लोक कलाओं की प्रस्तुति की गई। कलाकारों ने गण, गवलन, मावशी, भारुड, गोंधल, अभंग, वासुदेव आदि लोक कलाओं की प्रस्तुति से उपस्थितों का मन मोह लिया। गीत एवं नाटक विभाग के उपनिदेशक धृव अवस्थी तथा प्रबंधक किरण कुमार भुजबल के दिशानिर्देशन में पथक प्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे सहित 20 से अधिक कलाकारों ने महाराष्ट्र की लोक परंपराओं को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थितों के सामने रखा।

कलाकारों ने खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा आदि गीत एवं लावणी की प्रस्तुतियां दी। कलाकारों ने स्वच्छ भारत, घरकुल योजना, प्रौढ़ शिक्षा, शराबबंदी तथा नशामुक्ति का संदेश अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दिया और मिमिक्री आदि के माध्यम से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

इन कलाकारों
मीरज आदि स्थ
थे। गीत एवं
प्रसारण मंत्रालय
विभाग है। इसके
तथा गोवा आदि
अंतर्गत कलाक
करते हैं। समा
की दिशा में वे
कार्य करते हैं।
रामचंद्र शुक्ल
लोकरंग कार्यक्र
मिश्र तथा प्रतिकु
ने कलाकारों
प्रमाणपत्र प्रदान
प्रो. सुरेश श
आयोजन में डा.
मिरगे ने महती

दैनिक भास्कर

गुरुवार 1 जनवरी 2015

हिंदी विवि में स्वास्थ्य मेला

जिला प्रतिनिधि | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17 वें स्थापना दिवस का विधिवत उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्र-कुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, जिला प्रमुख उपअधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, प्रो. देवराज, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, सहसंयोजक बी.एस. मिरगे, डा. सुप्रिया पाठक, लायनस क्लब के अनिल नरेडी, अख्तर कुरेशी प्रमुखता से उपस्थित थे। स्वास्थ्य मेले के तहत आयोजित स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर सहभाग लिया। शिविर में डा. रवींद्र बोरकर, डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, चिराग निनावे, योगेश भस्मे, अमोल आडे, विवेकानंद राय, अश्विन श्रीवास, विजयकरन, स्नेहल तड़स, शैलेंद्र प्रजापति, कृष्ण कुमार यादव आदि उपस्थित थे। मेले में महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के डा. दीपक गुप्ता, सुरेंद्र बेलुरकर, सहायक तृप्ति थूल, जिला सामान्य अस्पताल के रक्तदान विभाग से डा. देवश्री धांडे, किशोर बालपांडे, जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण गावंडे, संघरक्षित मूल, कांचन उके आदि ने विश्वविद्यालय परिवार के अध्यापक, कर्मचारी, छात्र आदि उपस्थित थे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442 005 (महाराष्ट्र) भारत
फोन-फैक्स : (07152) 255707 वेबसाइट : www.hindivishwa.org

ज्ञान शांति मैत्री

रोजगार सूचना क्रमांक/म.गां.अ.हिं.वि./01/2015, दिनांक 29.01.2015

Walk-in-Interview

विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत पूर्णतः अस्थाई तौर पर (179 दिन के आधार पर) शैक्षणिक पदों {एसोसिएट प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर} के लिए walk-in-interview आयोजित किया जाता है।

इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित समय (दिनांक 07.02.2015, 11:00 बजे, पूर्वाह्न) पर अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव से संबंधित मूल प्रमाण–पत्रों के साथ उपस्थित हों। उक्त पदों हेतु संपूर्ण विवरण, नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org पर उपलब्ध है। इस विज्ञापन के संदर्भ में किसी भी प्रकार का संशोधन मात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया जाएगा।

उक्त विज्ञापन को निरस्त करने, कोई भी पद भरने या न भरने का पूर्ण अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

कुलसचिव

29-1-15

युगधर्म
गुरुवार, २९ जनवरी २०१५

अनेकता में एकता...

वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में देश के विविध राज्यों के अध्यनरत छात्राओं ने तिरंगे की वेशभूषा धारण कर गांधी हिल पर भाषा भेद छोड़ो, भारत जोड़ो के नारों का जयघोष कर गणतंत्र दिवस पर अनेकता में एकता का सन्देश दिया। (छायाः राहुल तेलरांधे।)

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
गुरुवार, १ जानेवारी २०१५ ११

दिनदर्शिकेचे लोकार्पण करताना कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र व अन्य मान्यवर

लोकभाषेतून विश्वविज्ञान लोकांपर्यंत पोहोचवावे : प्रा. कपिल

हिंदी विद्यापीठाचा स्थापना दिवस समारोह

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, ३१ डिसेंबर

हिंदी विद्यापीठाची स्थापना ज्ञान क्षेत्रातील दरी दूर करण्याकरिता झाली. विविध भाषांच्या आधारे ज्ञानाचे क्षेत्र सतत विकसित होत असल्याने हे लोकोपयोगी ज्ञान आता लोकभाषेत सर्वसामान्य लोकांपर्यंत पोहोचवा, असे आवाहन विद्यापीठाचे कुलपती प्रा. कपिल कपूर यांनी केले. ते महात्मा गांधी हिंदी विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्त उद्घाटनप्रसंगी बोलत होते. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र होते.

प्रा. कपूर पुढे म्हणाले, हिंदी विद्यापीठाने ज्ञानात्मक पातळी उंचावत असतानाच या ज्ञानाचा फायदा समाजाकरिता कसा होईल, या दृष्टीने व्यापक हित आपल्या पुढे ठेवले पाहिजे. जगाशी संवाद साधण्याकरिता लोकभाषांचा विकास करून कृतिशील उपक्रम राबविण्याकडे भर देणे विचारांना जाती व धर्माच्या चौकटीत बंदिस्त करता येत नाही, असे त्यांनी सांगितले. हिंदी विद्यापीठाच्या सर्व अभ्याक्रमातून बोली भाषांचा अधिकाधिक वापर कसा करता येईल, याचाही विचार यापुढे झाला पाहिजे असेही ते म्हणाले.

प्रा. नंदकिशोर आचार्य यांनी ज्ञानाच्या क्षेत्रावर आज दबाव वाढत असला तरी यातूनच नवी क्षमता विकसित होऊ शकते. वर्ध्याचे हिंदी विद्यापीठ अपीलिय आवाहने लक्षात घेऊन वाटचाल करेल. परंतु, या वाटचालीत समाजाचा सहभाग कसा वाढेल, याचाही कालसापेक्ष विचार झाला पाहिजे असे त्यांनी सांगितले.

विद्यापीठाने अनेक अभ्याक्रम सुरू केले आहेत. यापुढे देखील समकालीन प्रश्न लक्षात घेऊन नवे अभ्यासक्रम राबविण्यात येतील. लोकभाषांकरिता कोलकाता व असल्याचे यावेळी कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी सांगितले. यावेळी हिंदी विद्यापीठाची दिनर्शिका, डायरी तसेच हिंदी विश्व या मासिक पत्रिकेचे प्रकाशन करण्यात आले. कार्यक्रमाला ज्येष्ठ लेखक डॉ. दामोदर खडसे, डॉ. सुलभा कोरे, प्रा. शेख हाशम, कवी लोकनाथ यशवंत, डॉ. वर्षा नटवर, जिल्हा माहिती अधिकारी अनिल गडेकर, वागीश शुक्ल, अरुण भिरण, मदन सोनी, गिरीश काशीद, सहायक माहिती अधिकारी श्याम टरके, नरेंद्र दंढारे यांच्यासह विद्यापीठातील सर्व अधिष्ठाता, प्राध्यापक व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
शनिवार, १७ जानेवारी २०१५ ११

मानवी बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञानात ताळमेळ आवश्यक

प्रा. नारायण मूर्ती यांचे प्रतिपादन

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, १६ जानेवारी

भाषा जाणणे, समजणे आणि भाषेचा तंत्रज्ञानाच्या माध्यमातून विकास करण्यासाठी मनुष्याची बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञान यामध्ये ताळमेळ असणे आवश्यक आहे. डिजिटल भारताचे स्वप्न पूर्ण करण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान आधारित कार्य संस्कृतीला प्रोत्साहन देत सर्व भाषांना जोडले गेले पाहिजे, असे प्रतिपादन केंद्रीय विद्यापीठातील भाषातज्ज्ञ प्रा. कवी नारायण मूर्ती यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या भाषा तंत्रज्ञान विभागात प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली होती. कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी ते प्रमुख अतिथी म्हणून बोलत होते. अध्यक्षस्थानी प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र होते.

कार्यशाळेत ७० हून अधिक प्रतिनिधी सहभागी झाले होते. प्रा. मूर्ती म्हणाले की, माहिती तंत्रज्ञानाचा वापर करित आम्हाला अधिकाधिक लोकांपर्यंत पोहोचले पाहिजे. भारतात १६०० भाषा अस्तित्त्वात आहेत. आमचे भविष्य बोलींवर आधारित असेल, भाषांचे अस्तित्त्व राखण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे.

प्रा. चित्तरंजन मिश्र म्हणाले, भाषांचे भविष्य नव्या तंत्रज्ञानाच्या वापरावर विसंबून राहू लागले आहे. आम्हाला नव्या साक्षरतेची गरज निर्माण झाली आहे. भारत सरकारच्या डिजिटल भारत, ई-गवर्नन्स या महत्त्वाकांक्षी योजना अंमलात आणण्यासाठी तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे असेही ते म्हणाले.

यावेळी प्रा. हनुमान प्रसाद शुक्ल म्हणाले, हिंदीसह इतर भारतीय भाषांना तंत्रज्ञानाशी जोडण्याचे काम विद्यापीठाचा भाषा तंत्रज्ञान विभाग करत आहे.

कार्यक्रमाला राम अनिरुद्ध, शिवेंद्र बाबू, डॉ. अनिल कुमार पांडे, जगदीप दाँगे, डॉ. एच. ए. हुनगंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे, शैलेश कदम मरजी, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, सुषमा लोखंडे, डॉ. अन्नपूर्णा सी, विद्यार्थी उपस्थित होते.

संचालन आराधना सक्सेना यांनी केले. ■

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
शनिवार, १७ जानेवारी २०१५ १

सभ्यता पुढे, संस्कृती मागे जात आहे : डॉ. धारूरकर

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, १६ जानेवारी

वर्तमान काळात आम्ही विकासाच्या पाश्चिमात्य प्रतिमानाच्या सिद्धांतांना अधिक महत्त्व देत आहोत. त्यामुळे सभ्यता पुढे तर संस्कृती मागे जात आहे, असे प्रतिपादन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद येथील आर्टस विभागाचे निदेशक आणि जनसंवाद विषयाचे अभ्यासक डॉ. विजय धारूरकर यांनी केले.

ते महात्मा गांधी हिंदी विद्यापीठात समाजशास्त्रात शोध पद्धतीवर आयोजित कार्यशाळेत संचार माध्यम आणि शोध पद्धती या विषयावर मार्गदर्शन करताना बोलत होते.

ते पुढे म्हणाले, समाज, संस्कृती आणि संदेश केंद्रित अध्ययनाच्या माध्यमातून मीडियामध्ये शोध करता येतो. स्वातंत्र्यापूर्वी गावांशी संबंधित बातम्यांना एक टक्क्यांपेक्षा कमी जागा मिळत असे आज ते प्रमाण पाच टक्क्यांपर्यंत गेले आहे. म्हणजेच मधल्या काळात प्रसार माध्यमांमध्ये संख्यात्मक वाढ मोठ्या प्रमाणावर झाली असली तरी ती वाढ गुणात्मक विकासाकडे परिवर्तीत झाली की नाही याचा शोध घेणे गरजेचे आहे. भारताच्या दृष्टीने माध्यमांनी ग्लोबलायझेशन ऐवजी ह्युमनायझेशन वर अधिक लक्ष द्यावे असे त्यांनी यावेळी सांगितले. संचालन मिथिलेश यांनी केले. यावेळी महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रा. मनोज कुमार, डॉ. शंभू जोशी, बी.एस.मिरगे उपस्थित होते. ■

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
सोमवार, १२ जानेवारी २०१५ ११

डॉ. आनंद कौसल्यायन यांचे कार्य नव्या पिढीकरिता प्रेरणादायी

- प्रा. मिश्र यांचे प्रतिपादन
- हिंदी विद्यापीठात व्याख्यानमाला

मार्गदर्शन करताना डॉ. एम.एल. कासारे, व्यासपीठावर कवी भोला वाघमारे व अन्य

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, ११ जानेवारी

डॉ. आनंद कौसल्यायन महान विचारवंत होते. त्यांनी देशभर प्रवास करून अनेक ग्रंथ लिहिले. त्यांचे विचार नव्या पिढीकरिता प्रेरणादायी आहेत, असे मत प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी व्यक्त केले. महात्मा गांधी आंतराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन स्मृती व्याख्यानमालेत ते बोलत होते.

अध्यक्षस्थानी डॉ. एल. कारूण्यकरा होते. व्यासपीठावर डॉ. कौसल्यायन यांचे सहकारी डॉ. एम.एल. कासारे व कवी भोला वाघमारे यांची उपस्थिती होती. डॉ. कासारे यांनी डॉ. कौसल्यायन यांच्या कार्यावर अभ्यासपूर्ण प्रकाश टाकला. तसेच बौद्ध धम्म आणि हिंदीच्या प्रचार-प्रसारात केलेल्या योगदानाची माहिती दिली. कवी भोला वाघमारे यांनी कवितेमधून आपली भावना व्यक्त केली. यावेळी शुभांगी शंभरकर यांचा तसेच पत्रकार डॉ. प्रवीण वानखेडे, मालती चौहान, अमर ताकसांडे, अनिकेत गायकवाड, सुहास कांबळे यांचा प्रा. मिश्र यांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला. संचालन केंद्राचे प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजित कुमार सिंग यांनी केले. आभार प्रा. शुभांगी शंभरकर यांनी मानले. यावेळी डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, डॉ. डी.एन. प्रसाद, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, रवी शंकर सिंग, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते. यशस्वितेकरिता भंते राकेश आनंद, दिनेश पटेल, गोविंद मीना, लालविजय प्रभाकर, सुमन देवी, रंजना पाटील, भाग्यश्री रामटेके, यांनी सहकार्य केले. भंते राकेश आनंद व शरद सोनवणे यांनी विश्व शांती गाथा सादर केल्यानंतर समारोप करण्यात आला. ■

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
मंगळवार, ६ जानेवारी २०१५ ११

हिंदी शिक्षण संस्थांसाठी अभ्यासक्रम तयार करण्याची गरज : पं. अग्निहोत्री

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, ५ जानेवारी

हिंदी विद्यापीठ गांधीजींच्या कर्मभूमीत म्हणजे वर्धेत झाले पाहिजे अशी अनेकांनी मागणी केली होती. गांधीजींनी वर्धेला त्या काळात भारताचे केंद्र संबोधले होते आणि आज हे विद्यापीठ वर्धेत उभे राहिले आहे.

अर्थात गांधीजींचे एक स्वप्न यानिमित्ताने पूर्णत्वास आले आहे. हिंदी विद्यापीठाने भारतातील हिंदी शिक्षण संस्थांकरिता अभ्यासक्रम तयार करण्याची जबाबदारी घेतली पाहिजे, असे प्रतिपादन पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या सतराव्या स्थापना दिनानिमित्ताने आयोजित मंथन : स्वप्न आणि वास्तव कार्यक्रमात मार्गदर्शन करताना बोलत होते.

मार्गदर्शन करताना शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, व्यासपीठावर कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्रा व अन्य मान्यवर

अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र होते. यावेळी प्रा. मनोज कुमार, गोरखपूर विद्यापीठाचे प्रा. महेश्वर मिश्र, राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचार मंत्री डॉ. हेमचंद्र वैद्य, प्रदीप दाते, अनिल नरेडी, भरत महोदय, डॉ. रामानुज आस्थाना आदींची प्रामुख्याने उपस्थिती होती. प्रा. मनोज कुमार यांनी विद्यापीठ हे उन्मुक्त लोकतांत्रिक विचाराचा प्रचार-प्रसाराचे केंद्र झाले पाहिजे असे सांगितले. प्रा. महेश्वर मिश्र यांनी ज्ञानाच्या विस्तारासाठी हिंदी ही सक्षम भाषा आहे. कॉर्पोरेट स्थानिक भाषेशिवाय आपल्या वस्तू विकू शकत नाही.

त्यासाठी आम्हाला इतर भारतीय भाषांचाही विस्तार केला पाहिजे असे त्यांनी सांगितले. डॉ. हेमचंद्र वैद्य यांनी पर्यायाचा शोध घेण्यासाठी विद्यापीठ स्थापन झाले पाहिजे असे सांगत, आम्हाला भौतिक संसाधनाबरोबरच शैक्षणिक विकासावर लक्ष दिले पाहिजे, असे सुचविले. प्रदीप दाते यांनी महात्मा गांधींजींच्या बुनियादी शिक्षणाच्या पायावर विद्यापीठाने अभ्यासक्रम आखले पाहिजे असे सुचविले.

मार्गदर्शन करताना प्रा. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले, विचारांचे स्वातंत्र्य हे या विद्यापीठाच्या केंद्रीय भूमिकेत आहे. विद्यापीठाच्या विकासासाठी क्षमता आणि साधनांचा पुरेपूर उपयोग करत ध्येय आणि निष्ठेने समर्पित काम करावे असे आवाहनही त्यांनी केले. मंथन कार्यक्रमातून वक्त्यांनी मांडलेल्या सूचनांचा गांभीर्याने विचार करू असेही ते म्हणाले. कार्यक्रमात डॉ. रामानुज अस्थाना, अनिल नरेडी, प्रा. विजय कौल, डॉ. रवींद्र बोकर, डॉ. ऋषभ मिश्र, अभिषेक त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, नेहा नेमा यांनीही मत मांडले. संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी तर आभार प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी मानले. कार्यक्रमाला वर्धेतील मान्यवर नागरिक, अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. प्रास्ताविक प्रा. अनिल कुमार राय यांनी केले. ■

लोकमत समाचार
गुरुवार, 1 जनवरी 2015

हिंदी वि.वि. ने किया हिंदीसेवियों का सम्मान

हिंदी सेवी सम्मान प्राप्त हिंदी सेवियों के साथ कुलपति गिरीश्वर मिश्र व अन्य अतिथि.

वर्धा। 31 दिसंबर (लोस)

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस पर 'हिंदी सेवी सम्मान' का वितरण किया गया. समारोह में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के हाथों वि.वि. के स्थापना दिवस पर यह सम्मान प्रदान किया गया. पुरस्कार स्वरूप शॉल, स्मृतिचिन्ह एवं प्रशिस्त-पत्र प्रदान किए गए.

आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडप में आयोजित समारोह में प्र-कुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र प्रमुखता से उपस्थित थे. इस अवसर पर गैरहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने वाले वरिष्ठ हिंदी-मराठी साहित्यकार डॉ. दामोदर खड़से, अनुवादक एवं संवाद लेखिका डॉ. सुलभा कोरे, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्व विद्यालय, औरंगाबाद में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे, सोलापुर विश्वविद्यालय के डॉ. गिरीश काशिद, लोहिया अध्ययन केंद्र, नागपुर के संस्थापक हरीश अडयालकर तथा राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचार अधिकारी नरेंद्र दंढारे को यह सम्मान प्रदान किया गया.

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विजय मुडे, प्रा. राजेंद्र मुंढे, हिंदी सेवी सम्मान समिति के सदस्य प्रदीप दाते, लॉयन्स की रंजना दाते, समाजसेवी अनिल नरेडी, वि.वि. के अध्यापक,अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

लोकमत समाचार

रविवार, 25 जनवरी 2015

कला से संबंधित कानून का ज्ञान रखें

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के प्रमुख सुरेश शर्मा ने कहा

वर्धा। 24 जनवरी (लोस)

कलाकारों ने कला क्षेत्र से संबंधित कानून की जानकारी रखनी चाहिए. साथ ही कॉपी राइट एक्ट ड्रामेट्रिक परफॉर्मिंग एक्ट, चलचित्र अधिनियम, सूचना का अधिकार जैसे कानून की जानकारी कला क्षेत्र के लिए सहायक सिद्ध हो सकती है. इसलिए कलाकारों ने कला अभ्यास के साथ कला से संबंधित कानून का भी अभ्यास करने की आवश्यकता है. इस आशय के विचार नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा ने व्यक्त किए. वे नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'कला अभ्यास एवं कला कानून' आयोजित कार्यशाला के समापन के अवसर पर बोल रहे थे. तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रसिद्ध रंगकर्मी एड. सतीश उपाध्याय ने समकालीन चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में कानून के अभ्यास की आवश्यकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में जानकारी दी. उपाध्याय ने कहा कि कलाकारों ने कला अभ्यास को प्राथमिकता देने के साथ ही उस क्षेत्र के कानूनी जानकारी भी रखनी चाहिए. कार्यशाला का संचालन डॉ. सतीश पावडे ने किया. कार्यशाला में हिंदी विश्व विद्यालय के शोधार्थी विद्यार्थी सहित शिक्षक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

कार्यशाला में कला क्षेत्र के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करते प्रो. सुरेश शर्मा एवं साथ में अतिथि.

लोकमत समाचार
रविवार, 18 जनवरी 2015

बौद्धिकता व प्रौद्योगिकी में तालमेल जरूरी

भाषा विज्ञानी कवि नारायण मूर्ति ने प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला में कहा

वर्धा। 17 जनवरी (लोस)

भाषा को जानने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी के माध्यम से विस्तार एवं विकास करने हेतु मनुष्य की बौद्धिकता और अधुनातन प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक है. भारत सरकार के डिजटल भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कार्य-संस्कृति को अधिक बढ़ावा देना चाहिए और इसके केंद्र में सभी भारतीय भाषाओं को रखना चाहिए. उक्त आशय के विचार हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भाषाविज्ञानी प्रो. कवि नारायण मूर्ति ने व्यक्त किए.

वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला' के उदघाटन के अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बोल रहे थे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की. यह कार्यशाला 19 जनवरी तक है. कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सहभागिता हैं. प्रो. मूर्ति ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए हमें भाषाओ को बहुसंख्य लोगों तक पहुंचाना चाहिए. इस चुनौती को अमली जामा पहनाने हेतु कंप्यूटर साक्षरता अनिवार्य शर्त है. भारत में 1600 भाषाएं है, हमारा भविष्य बोली आधारित होगा और इन भाषाओं के अस्तत्व को बचाए रखने के लिए हमें प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना आवश्यक है. अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा अन्य भाषाओं के साथ हिंदी का भविष्य भी प्रौद्योगिकी के साथ जुड़ा है. आज हमें बटन पर आधारित नई साक्षरता की जरूरत है. इससे भारत सरकार के डिजीटल भारत, ई-गवर्नंस आदि महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी. प्रस्तावना प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने रखी.

प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला में मार्गदर्शन करते चित्तरंजन मिश्र

लोकमत समाचार
सोमवार, 5 जनवरी 2015

मार्गदर्शन करते हेमचंद्र वैद्य, मंच पर कुलपति गिरीश्वर मिश्र तथा अतिथि.

वि.वि. की विकास यात्रा में सभी का सहयोग

स्थापना दिवस पर हिंदी विश्वविद्यालय में 'मंथन'

वर्धा। 4 जनवरी (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के मौके पर 31 दिसंबर को पिछले 17 वर्ष की उपलिब्धयां और विश्वविद्यालय के विकास के लिए आने वाले वर्षों में प्रगति की दिशा सुनिश्चित करने के लिए 'मंथन : स्वप्न और यथार्थ' कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की. कार्यक्रम में प्र-कुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सरजू प्रसाद मिश्र, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रो. मनोजकुमार, गोरखपुर विश्वविद्यालय में विज्ञान विभाग के प्रो. महेश्वर मिश्र, जय महाकाली शिक्षा संस्था के अध्यक्ष पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, डॉ. हेमचंद्र वैद्य, दाते स्मृति संस्था के अध्यक्ष प्रदीप दाते, लायन्स क्लब के अनिल नरेडी, गांधी विचार परिषद के निदेशक भरत महोदय उपस्थित थे.

अतिथियों ने विश्वविद्यालय के बहुमुखी विकास की सराहना की साथ महोदय ने कहा कि हमें विश्वविद्यालय के आसपास के माहौल को देखकर उस दिशा में कार्य करना चाहिए और ज्ञान प्राप्ति के लिए जहां से हमें वह मिल रहा है उसे प्राप्त करते रहना चाहिए.

पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना गांधी की कर्मस्थली वर्धा में हो इसके लिए हमने 25 वर्ष पूर्व काम किया. तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ वार्ता और विमर्श कर हमने इसे वर्धा में क्यों स्थापित किया जाए. इसकी सफल दलीलें पेश की. पं. अग्निहोत्री ने सुझाव दिया कि कि भारत भर के हिंदी शिक्षा संस्थानों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने का दायित्व विश्वविद्यालय को मिलना चाहिए.

अध्यक्ष कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने आह्वान किया कि क्षमता और साधनों का भरपूर उपयोग कर लगन और निष्ठा के साथ विश्वविद्यालय के लिए समर्पित भाव से कार्य करें. 'मंथन' में जो विचार सामने आए हैं उन पर अमल करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया. आभार प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने माना. प्रस्तावना मंथन के संयोजक

लोकमत समाचार
र, गुरुवार, 1 जनवरी 2015

स्वास्थ्य जांच के बाद रक्तदान शिविर

स्वास्थ्य जांच शिविर में उपस्थित कुलपति गिरीश्वर मिश्र, चित्तरंजन मिश्र व अन्य.

वर्धा। 31 दिसंबर (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य मेला एवं रक्तदान शिविर का आयोजन महर्षि चरक परिसर, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में किया गया. इस आयोजन में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य जांच करवाई और रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. रक्तदान शिविर में डॉ. रवींद्र बोरकर, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, चिराग निनावे, योगेश भस्मे, अमोल आडे, विवेकानंद राय, अश्विन श्रीवास, विजयकरन, स्नेहल तडस, शैलेंद्र प्रजापति, कृष्ण कुमार यादव ने रक्तदान किया. स्वास्थ्य मेले का विधिवत उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, पुलिस उपअधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, प्रो. देवराज, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, सहसंयोजक बी. एस. मिरगे, डॉ. सुप्रिया पाठक, लायन्स क्लब के अनिल नरेडी, अख्तर कुरेशी की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ. मेले में महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉ. दीपक गुप्ता, सुरेंद्र बेलुरकर, सहायक तृप्ति थूल, सामान्य अस्पताल की डॉ. देवश्री धांडे, किशोर बालपांडे, प्रवीण गावंडे, मून, कांचन उके ने विश्वविद्यालय परिवार के अध्यापक, कर्मचारी, छात्र एवं शोधार्थी उपस्थित थे.

सकाळ
गुरुवार,
१ जानेवारी २०१५

'महाराष्ट्राचा लोकरंग'ने आणली रंगत

हिंदी विश्वविद्यालय : गीत, नाटक विभागाच्या कलाकारांचा सहभाग

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. ३१ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या १७व्या स्थापना दिनानिमित्ताने गीत आणि नाटक विभाग, माहिती आणि प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारच्या पश्चिम क्षेत्र पुणेच्या कलाकारांनी मंगळवारी (ता. ३०) सादर केलेल्या 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रमाने रंगत आणली. या कार्यक्रमात कलाकारांनी महाराष्ट्राच्या विविध लोककलांचे सादरीकरण केले. कलाकारांनी गण, गौळण, मावशी, भारूड, गोंधळ, अभंग, वाघ्या मुरळी, वासुदेव आदी लोककलांचे दर्शन अभिनय आणि नृत्यांच्या माध्यमातून घडविले. गीत आणि नाटक विभागाचे उपनिदेशक ध्रुव अवस्थी आणि व्यवस्थापक किरणकुमार भुजबळ यांच्या नेतृत्वात २०हून अधिक कलाकारांचा जत्था विद्यापीठात दाखल झाला होता. पथकप्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे यांच्या मार्गदर्शनात हे कलाकार कलांचे दर्शन घडवीत असतात.

'खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे, वाजले की बारा...या एकाहून एक गीत आणि नृत्यांचे सादरीकरण करीत कलाकारांनी श्रोत्यांना तब्बल तीन तास खिळवून ठेवले.

पान २ वर

वर्धा : 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रमातील एक लक्षवेधी प्रसंग.

'महाराष्ट्राचा लोकरंग'ने आणली रंगत

संवादाची दिलफेक प्रस्तुती आणि हास्यविनोदाने उपस्थित मुग्ध झाले होते. एकाहून एक सरस अशा लावण्या सादर करून उपस्थितांना ठेका धरण्यास बाध्य केले. आपल्या कलेतून त्यांनी स्वच्छ भारत अभियान, घरकुल योजना, प्रौढ शिक्षण, दारूबंदी आणि व्यसनमुक्तीचा संदेशही दिला. हे कलाकार परभणी, नांदेड, सातारा, मिरज येथून आले होते. गीत आणि नाटक विभाग हा भारत सरकारच्या माहिती आणि प्रसारण मंत्रालयाचा एक महत्त्वाचा विभाग आहे. हा विभाग देशभरात त्या-त्या ठिकाणच्या विविध लोककलांच्या माध्यमातून जनजागृती करीत असतो. पश्चिम क्षेत्र पुण्याच्या अखत्यारित महाराष्ट्र, गुजरात आणि गोवा ही राज्ये येतात. या राज्यात जाऊन कलाकार लोकांमध्ये लोककलांचे बीजारोपण तर करतातच, शिवाय अंधश्रद्धा आणि अनिष्ठ प्रथा नष्ट करण्यासाठी लोकांमध्ये जागरूकता निर्माण करतात. एकूणच समाजाला मुख्य प्रवाहात आणण्यासाठीचे विधायक कार्य ते लोककलांच्या माध्यमातून करत असतात. यावेळी कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र आणि प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी कलाकारांचे स्वागत करून त्यांना प्रमाणपत्र दिले. संचालन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष प्रा. सुरेश शर्मा यांनी केले. आयोजनाकरिता डॉ. सतीश पावडे आणि जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी सहकार्य केले. कार्यक्रमाला अधिकारी, कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

वर्धा, बुधवार, २८ जानेवारी २०१५

सकाळ वर्धा

हिंदी विद्यापीठ

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात प्रजासत्ताकदिनाचा समारंभ विद्यापीठाच्या प्रांगणात घेण्यात आला. यावेळी कुलगुरूंच्या हस्ते ध्वजारोहण करण्यात आले.

कार्यक्रमाला अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते. मिश्र म्हणाले, स्वातंत्र्यानंतर देशाला चालविण्यासाठी संविधानाची आवश्यकता होती. संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांनी कठीण परीश्रम घेऊन संविधान तयार केले.

संविधान हा आमचा मंत्र आहे आणि याच नुसार देश संचालित होत आहे. यावेळी कुलसचिव व वित्त अधिकारी संजय गवई, सूरज पालीवाल, विभाग प्रमुख प्रामुख्याने उपस्थित होते.

सकाळ
शनिवार, २४ जानेवारी २०१५

हिंदी विश्वविद्यालयात वार्षिक क्रीडा महोत्सव

गांधी एकादश संघ ठरला विजेता : मान्यवरांच्या हस्ते पुरस्कार प्रदान

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. २३ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील वार्षिक क्रीडा महोत्सवात क्रिकेटच्या अंतिम सामन्यात गांधी एकादश संघाने पुरस्कार प्राप्त केला. मेजर ध्यानचंद क्रीडांगणावर १८ जानेवारीला क्रिकेटचा हा अंतिम सामना रंगला होता.

गांधी एकादश संघाने १६ षटकांच्या सामन्यात ९६ धावांचे लक्ष्य गाठले. गांधी एकादशचे नेतृत्व पंकज पाटील यांनी केले. परिसर विकास एकादशचे नेतृत्व राजीव पाठक यांनी केले. गांधी एकादश चमुत संघनायक पंकज पाटील, विजय यादव, सचिन कुंभलवार, पुष्कर सिंह, भूषण साळवे, मनोज ठाकूर, अजय प्रताप सिंह, राम प्रसाद कुमरे, वेद प्रकाश, आलोक श्रीवास्तव, वैभव सुशील, बी. पी. सिंह, सुधीर ठाकूर यांचा समावेश होता. परिसर विकास या चमुत नायक राजीव पाठक, सत्यम अधिकारी, राजू पवार, विवेक तडस, अनिकेत गहुकार, अमित गायकवाड, जावेद बेग, नौशाद, अमोल आडे, गिरिश ठक्कर तथा सुधीर यांचा समावेश होता. सोळा षटकांच्या सामन्याचा शुभारंभ प्रकुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांच्या हस्ते करण्यात आला. कुलगुरू प्रा. गिरिश्वर मिश्र यांच्यातर्फे सचिन कुंभलवार यांना मॅन ऑफ द मॅच, तर जावेद बेग याला मॅन ऑफ द सिरीज हा पुरस्कार देण्यात आला. यावेळी क्रीडा समितीचे अध्यक्ष प्रा. विजय

कौल, शिक्षक संघाचे अध्यक्ष धरवेश कठेरिया, विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, के. के. त्रिपाठी, श्रीरमण मिश्र, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, संदीप वर्मा, राजेश अरोरा उपस्थित होते. डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, आशीष, प्रकाश, रवी यांनी उद्घोषक म्हणून तर अविनाश त्रिपाठी व नीरज सिंह यांनी अंपायरची भूमिका पार पाडली.

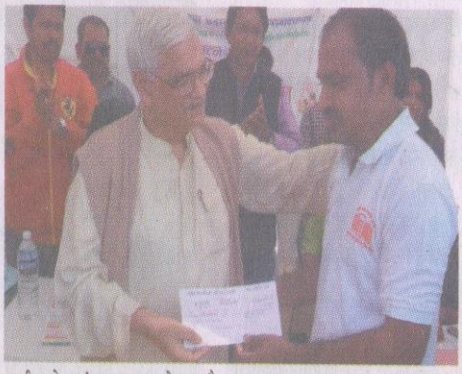

वर्धा : खेळाडूंचा पुरस्कार देऊन गौरव करताना मान्यवर.

सकाळ

शुक्रवार, २३ जानेवारी २०१५

समाजाच्या कल्याणाकरिताच संशोधन करावे

कुलगुरू प्रा. गिरिश्वर मिश्र : समाजशास्त्र संशोधन कार्यशाळेचा समारोप

वर्धा, ता. २२ : संशोधनाच्या माध्यमातून नवा विचार पुढे येतो. परिवर्तनाच्या दिशा विस्तारित होतात, त्यामुळे समाज कल्याणासाठीच संशोधन केले पाहिजे, असे प्रतिपादन कुलगुरू प्रा. गिरिश्वर मिश्र यांनी केले. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्लीतर्फे १० ते १९ जानेवारीला कार्यशाळा घेण्यात आली. या कार्यशाळेच्या समारोपीय कार्यक्रमात ते बोलत होते. मंचावर प्रमुख पाहुणे म्हणून दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थेचे सल्लागार तसेच एमसीआयच्या अकादमीक समितीचे अध्यक्ष प्रा. वेद प्रकाश मिश्र, मुंबई विद्यापीठातील समाजशास्त्र विभागाचे प्रा. पी. जी. जोगदंड, प्रकुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र, महात्मा गांधी फ्युजी गुरुजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रा. मनोज कुमार उपस्थित होते. कार्यशाळेत तेरा राज्यातील वीस विद्यापीठांचे विद्यार्थी उपस्थित झाले होते. यावेळी कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र, प्रा. वेदप्रकाश मिश्र, प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांच्या हस्ते अभ्यासकांना प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात आले. प्रा. वेदप्रकाश मिश्र म्हणाले, गुणवत्तापूर्ण संशोधनाला आपल्या व्यवसायाचाच भाग बनविला पाहिजे. प्रा. पी. जी. जोगदंड म्हणाले, समाज शास्त्रातील संशोधनातून समाजोपयोगी कार्य व्हावे. ज्ञान अद्ययावत करण्यासाठी अशा कार्यशाळांची आवश्यकता असते. प्रास्ताविक प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी केले. प्रा. डॉ. शंभू जोशी यांनी कार्यशाळेचा अहवाल सादर केला. संचालन डॉ. मिथिलेश यांनी केले. यावेळी प्रा. सुरेश शर्मा, प्रा. अनिलकुमार राय, प्रा. अरविंदकुमार झा, प्रा. विजय कौल, डॉ. रामानुज अस्थाना, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे व शेकडो विद्यार्थी उपस्थित होते.

वर्धा : मार्गदर्शन करताना कुलगुरू प्रा. गिरिश्वर मिश्र.

सकाळ
शनिवार, दि.१७ जानेवारी २०१५

बुद्धिमत्ता, तंत्रज्ञानात ताळमेळ आवश्यक

प्रा. मूर्ती : हिंदी विद्यापीठात प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. १५ : भाषा जाणणे, समजणे आणि भाषेचा तंत्रज्ञानाच्या माध्यमातून विकास करण्याकरिता मनुष्याची बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञान यामध्ये ताळमेळ असणे आवश्यक आहे. डिजिटल भारताचे स्वप्न पूर्ण करण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान आधारित कार्य-संस्कृतीला प्रोत्साहन देत सर्व भाषांना जोडले गेले पाहिजे, असे मत हैदराबाद केंद्रीय विद्यापीठातील भाषातज्ज्ञ प्रा. कवी नारायण मूर्ती यांनी गुरुवारी (ता. १५) मांडले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या भाषा तंत्रज्ञान विभागात 'प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली. उद्घाटनप्रसंगी ते मुख्य प्रशिक्षक म्हणून बोलत होते. अध्यक्षस्थानी प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र होते. ही कार्यशाळा १५-१९ दरम्यान आयोजित करण्यात आली. कार्यशाळेत ७०हून अधिक प्रतिनिधीं सहभागी झाले.

वर्धा : विचार व्यक्त करताना प्रा. मूर्ती; उपस्थित मान्यवर.

प्रा. मूर्ती म्हणाले, माहिती तंत्रज्ञानाचा वापर करत आम्हाला अधिकाधिक लोकांपर्यंत पोहोचले पाहिजे. भारतात १६०० भाषा अस्तित्वात आहेत. आमचे भविष्य बोलींवर आधारित असते. भाषांचे अस्तित्व राखण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे. प्रा. चित्तरंजन मिश्र म्हणाले, भाषांचे भविष्य नव्या तंत्रज्ञानाच्या वापरांवर विसंबून राहू लागले आहे. आम्हाला नव्या साक्षरतेची गरज निर्माण झाली आहे. भारत सरकारच्या डिजिटल भारत, ई-गव्हर्नन्स या महत्त्वाकांक्षी योजना अमलात आणण्यासाठी तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे, असेही ते म्हणाले. स्वागतपर भाषण प्रा. हनुमान प्रसाद शुक्ल यांनी केले. ते म्हणाले, हिंदीसह इतर भारतीय भाषांना तंत्रज्ञानाशी जोडण्याचे काम विद्यापीठाचा भाषा तंत्रज्ञान विभाग करीत आहे. यावेळी राम अनिरुद्ध, शिवेंद्र बाबू, डॉ. अनिल कुमार पांडे, जगदीप दाँगी, डॉ. एच. ए. हुनगुंद, डॉ. अनिलकुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद, डॉ. अन्वर अहमद सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे, शैलेश कदम मरजी, डॉ. सुरजीतकुमार सिंह, सुषमा लोखंडे, डॉ. अन्नपूर्णा सी. यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते. संचालन आराधना सक्सेना यांनी केले.

सकाळ
शनिवार,
१७ जानेवारी २०१५

अर्चना शर्मा यांना आचार्य पदवी

अर्चना शर्मा

वर्धा, ता.१६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील भाषा विभागाच्या अर्चना श्यामसुंदर शर्मा यांना आचार्य पदवी प्रदान करण्यात आली आहे. त्यांनी 'समकालीन कथा समय और स्त्री भाषा (प्रतिनिधि उपन्यासों में विशेष संदर्भ में) विषयावर आपला शोधप्रबंध भाषा विभागाचे माजी अधिष्ठाता प्रा. उमाशंकर उपाध्याय यांच्या मार्गदर्शनात सादर केला.

लोकमत शनिवार, दि. १७ जानेवारी २०१५

अर्चना शर्मा

वर्धा -महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील भाषा विभागाची शोधार्थी अर्चना शर्मा यांना पीएच.डी. उपाधी प्रदान करण्यात आली. समकालीन कथा समय और स्त्रीभाषा हा त्यांच्या संशोधनाचा विषय होता.

सकाळ
रविवार,
११ जानेवारी २०१५

महात्मा गांधीजींचे विचार कृतीत आणा

कुलगुरू मिश्र : 'बापू और आज का समय' विषयावर परिचर्चा

वर्धा, ता. १० : गांधीजी कर्मने माणसांना जोडत असत. त्यांच्या शब्दकोशात माणसांच्या एकूणच परिवर्तनाची चर्चा दिसते. आजच्या परिस्थितीत त्यांचे विचार आम्हाला कृतीत आणून खरे परिवर्तन करण्याची गरज आहे, असे प्रतिपादन कुलगुरू गिरीश्वर मिश्र यांनी केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात महात्मा गांधी यांच्या दक्षिण आफ्रिकेहून भारतात परतण्याला शंभर वर्षे पूर्ण झाल्यानिमित्त शुक्रवारी (ता. नऊ) 'बापू और आज का समय' या विषयावर परिचर्चा आयोजित करण्यात आली.

परिचर्चेत प्रकुलगुरू प्रा.. चित्तरंजन मिश्र, प्रा. मनोज कुमार, डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, प्रा. अरविंद कुमार झा, डॉ. मनोज कुमार राय, डॉ. धरवेश कठेरिया तथा शंभू जोशी यांनी विचार मांडले. कुलगुरू प्रा. मिश्र यांनी 'गांधी विचार मंच स्थापन करण्याचा सल्ला दिला तसेच विद्यार्थ्यांमध्ये गांधी विचारांचे बीजारोपण करण्यासाठी अभ्यासक्रमात तशी व्यवस्था करण्यासाठी कार्य करावे, असे सांगितले.

गांधी आणि हिंदीचे नाते स्पष्ट करताना ते म्हणाले, गांधीजींनी संपर्क भाषा म्हणून हिंदीचा वापर केला होता. प्रारंभी विद्यार्थ्यांनी वैष्णव जन तो.... भजन सादर केले. संचालन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष प्रा. सुरेश शर्मा यांनी केले. डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंग यांनी आभार मानले. यावेळी गांधीजींच्या जीवनकार्यावर आधारित विठ्ठलभाई झवेरी यांचा चित्रपट दाखविण्यात आला. कार्यक्रमाला अध्यापक, अधिकारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. आयोजनाकरिता सुश्री निधी गौड, धर्मेंद्र शंभरकर यांनी सहकार्य केले.

वर्धा : विचार व्यक्त करताना कुलगुरू मिश्र; मंचावर उपस्थित मान्यवर.

सकाळ
शुक्रवार ९ जानेवारी २०१५

डॉ. आनंद कौसल्यायन यांचे कार्य प्रेरणादायी

प्रा. चित्तरंजन मिश्र : हिंदी विश्वविद्यालयात स्मृती व्याख्यानमाला

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. ८ : डॉ. आनंद कौसल्यायन महान विचारवंत होते. त्यांनी देशभर प्रवास करून अनेक ग्रंथ लिहिले. त्यांचे विचार नव्या पिढीकरिता प्रेरणादायी आहेत, असे मत प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी व्यक्त केले. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन स्मृती व्याख्यानमालेत ते प्रमुख पाहुणे म्हणून बोलत होते. अध्यक्षस्थानी डॉ. एल. कारुण्यकरा तर मंचावर डॉ. कौसल्यायन यांचे सहकारी डॉ. एम. एल. कासारे व कवी भोला वाघमारे उपस्थित होते.

डॉ. कासारे यांनी डॉ. कौसल्यायन यांच्या कार्यावर अभ्यासपूर्ण प्रकाश टाकला. तसेच बौद्ध धम्म आणि हिंदीच्या प्रचार-प्रसारात केलेल्या योगदानाची माहिती दिली. कवी भोला वाघमारे यांनी कवितेमधून आपली भावना व्यक्त केली.

यावेळी सहायक प्रा. शुभांगी शंभरकर यांचा पाली व बौद्ध अध्ययन विषयात जेआरएफ उत्तीर्ण झाल्याबद्दल तसेच लॉर्ड पत्रकार डॉ. प्रवीण वानखेडे, केंद्राचे कर्मचारी मालती चौहान, अमन ताकसांडे, अनिकेत गायकवाड, सुहास कांबळे यांचा शाल व पुष्पगुच्छ देवून प्रा. मिश्र यांनी सत्कार केला. संचालन केंद्राचे प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजित कुमार सिंग यांनी केले. आभार प्रा. शुभांगी शंभरकर यांनी मानले. यावेळी डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, रवी शंकर सिंग, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते. आयोजनाकरिता भंते राकेश आनंद, दिनेश पटेल, गोविंद मीणा, लालविजय प्रभाकर, सुमन देवी, रंजना पाटील, भाग्यश्री रामटेके यांनी सहकार्य केले. भंते राकेश आनंद व शरद सोनवणे यांनी विश्व शांती गाथा सादर केल्यानंतर समारोप समारोप करण्यात आला.

सकाळ
गुरुवार, ८ जानेवारी २०१५

कलावंतांनी लोकांमधून कला शिकण्याची गरज

प्रा. सुरेश शर्मा : नाट्यकला चित्रपट अध्ययन विषयावर कार्यशाळा

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. ७ : भारतातील नाट्यपरंपरेचे मूळ लोक नाटकांच्ये असून कला जिवंत ठेवण्याकरिता कलाकारांनी या कलेचा मागोवा घ्यावा. शिवाय समाजाकडून ती कला शिकावी, असे मत नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे प्रमुख प्रा. सुरेश शर्मा यांनी व्यक्त केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील बिदेसिया लोक नाट्य कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी बोलत होते. संयोजक डॉ. सतीश पावडे म्हणाले, महान लोक कलाकार भिकारी ठाकूर यांच्या कुटुंबातील सदस्यांनी लोककला शैलीविषयी मार्गदर्शन करणे ही ऐतिहासिक घटना होय. याआधी भारतीय चित्रपटसृष्टीचे जनक दादासाहेब फाळके यांच्या कुटुंबातील सदस्यांनीही वर्ध्यात बोलविण्यात आले होते. प्रशिक्षण घेतलेल्या विद्यार्थ्यांनी भिकारी ठाकूर यांचे गबरघिचोर हे नाटक विद्यापीठाच्या स्थापना दिनानिमित्त सादर केले. संचालन रोहित कुमार यांनी केले. आभार श्वेता क्षीरसागर हिने मानले. संचालन भिकारी ठाकूर रंगमंडलचे कलाकार प्रभुनाथ ठाकूर आणि विभागाचे माजी विद्यार्थी जैनेंद्र कुमार दोस्त यांनी केले.

वर्धा : कार्यशाळेत नाट्यकला सादर करताना कलावंत.

देशोन्नती
गुरुवार ०८ जानेवारी, २०१५

वर्धा : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात विभागाच्या वतीने विदेसिया लोकनाट्य कार्यक्रम आयोजित केला गेला.

प्रतिदिन अखबार
शनिवार, 3 जनवरी 2015

सावित्रीबाई फुले जयंती पर आज हिंदी विवि में कार्यक्रम

प्रतिनिधि, 2 जनवरी

वर्धा- महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले के जन्मदिवस के अवसर पर पर 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले छात्रावास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र करेंगे. इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डिपार्टमेन्ट ऑफ इंग्लिश, एसआरटीएम

यूनिवर्सिटी, नांदेड़ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिलीप चव्हाण तथा विशेष आमंत्रित आईजी रेन्ज पुलिस विभाग, अमरावती की विभागीय समन्वयक प्रतिभा गजभिये उपस्थित रहेंगी. इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शाम 05 बजे सावित्रीबाई फुले छात्रावास में किया गया है. कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील समस्त छात्रावास सदस्य ने की है.

प्रतिदिन अखबार

रविवार, 25 जनवरी 2015

हिंदी विवि में कल रन फॉर रिपब्लिक

प्रतिनिधि, 24 जनवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ध्वजारोहण करेंगे. प्रारंभ में कुलपति प्रो. मिश्र गांधी हिल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन करेंगे, प्रशासनिक भवन के सामने सुबह 8.15 बजे ध्वजारोहण करेंगे. ध्वजारोहण समारोह में सभी को उपस्थित होने का आह्वान कुलसचिव संजय गवई ने किया है. इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में दौड़ रन फॉर रिपब्लिक का आयोजन प्रातः 6 बजे मुख्य द्वार से किया जाएगा.

इस दौड़ में समस्त छात्र-छात्राएं, शोधार्थी, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को सहभागी होने की अपील अध्यक्ष डॉ. धरवेश कठेरिया एवं महासचिव डॉ. राकेश मिश्र ने की है.

प्रतिदिन अखबार

शनिवार, 24 जनवरी, 2015

हिंदी विश्व विद्यालय में वार्षिक खेल महोत्ससव

वर्धा - महात्मागांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव में क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले में गांधी एकादश की टीम ने परिसर विकास एकादश को हराकर जीत हासिल की. विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा स्थल पर 18 जनवरी को क्रिकेट का अंतिम मैच गांधी एकादश और परिसर विकास एकादश के बीच खेला गया. इस मैच में गांधी एकादश ने 12 ओवरों में जीत दर्ज की. गांधी एकादश टीम का नेतृत्व पंकज पाटिल ने किया वहीं परिसर विकास एकादश का नेतृत्व राजीव पाठक ने किया. 16 ओवरों के मैच का प्रारंभ प्रतिकुलपति प्रो. चित्त रंजन मिश्र ने किया. परिसर विकास एकादश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 96 रन बनाए. जवाब में उतरी गांधी एकादश ने 12 ओवरों में ही लक्ष्य को हासिल कर अपनी जीत दर्ज की. कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा सचिन कुंभलवार को मैन ऑफ द मैच का तथा जावेद बेग को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया.

प्रतिदिन 21 अखबार

गुरुवार, 22 जनवरी 2015

समाज विज्ञान में शोध प्रविधि कार्यशाला का समापन

प्रतिनिधि, 21 जनवरी

वर्धा - शोध के माध्यम से नई सोच विकसित होनी चाहिए और परिवर्तन की नई दिशा मिलनी चाहिए. समाज विज्ञान में होने वाले शोध का लाभ समाज के कल्याण के लिए होने चाहिए. उक्त आशय के विचार कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में 10 जनवरी से 19 जनवरी तक समाज विज्ञान में शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया. सोमवार को कार्यशाला के समापन पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति बोल रहे थे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान के सलाहकार तथा एमसीआई की अकादमिक समिति के अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्र उपस्थित थे. मुंबई विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विभाग के प्रो. पी. जी. जोगदंड, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. मनोज कुमार मंचासीन थे.

अमरावती : कार्यशाला में मंचासीन अतिथिगण और उपस्थित छात्र तथा अधिकारी-कर्मचारी.

दस दिवसीय कार्यशाला में 13 राज्यों के 20 विश्वविद्यालयों के शोधार्थी उपस्थित हुए थे. इसके अलावा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के पीएच.डी. शोधार्थियों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की. समापन पर सभी प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. वेद प्रकाश मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.

कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि सामाजिक अनुसंधान एक जटिल समस्या होती है. हर मनुष्य की सोच अलग-अलग होती है और ऐसे में उसका अनुसंधान पर भी प्रभाव पड़ता है. हमें शोध को समग्रता में देखना चाहिए और उसे अधिक से अधिक कल्याणकारी बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए.

प्रो. वेद प्रकाश मिश्र ने विज्ञान और समाज विज्ञान में शोध के अंतर को स्पष्ट करते हुए दोनों की समानताएं और असमानताएं आदि को व्याख्यानित किया. उन्होंने कहा कि स्तरीय अनुसंधान के लिए उसे अपने कॅरिअर का एक हिस्सा बनाना चाहिए. हमें केवल कॅरिअर बनाने के लिए ही रिसर्च नहीं करना चाहिए. विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पी. जी. जोगदंड ने कहा कि समाज विज्ञान में किए जाने वाले अनुसंधान का उपयोग समाज के लिए हो और ऐसे अनुसंधान में यह एक अनिवार्य शर्त होनी चाहिए. ज्ञान एक शक्ति है और इस शक्ति का अनुसंधान के लिए अपडेट करना जरूरी है. प्रारंभ में स्वागत वक्तव्य प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने दिया. उन्होंने कहा कि ज्ञान एक अनवरत प्रक्रिया है. शोध प्रविधि जैसी कार्यशाला के माध्यम से विविक जागरण का काम किया जाता है.

कार्यशाला में चित्रलेखा अंशु समेत प्रतिनिधियों ने अपने मंतव्य दिए. सहायक प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की. संचालन पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. मिथिलेश ने किया. समापन समारोह में प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. विजय कौल, डॉ. रामानुज अस्थाना, बी. एस. मिरगे आदि सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

प्रतिदिन अखबार

प्राकृतिक भाषा संसाधन पर कार्यशाला

प्रतिनिधि, 19 जनवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा विद्यापीठ में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राकृतिक भाषा संसाधन विषय पर आयोजित कार्यशाला में शनिवार को हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति ने अक्षर आधारित भाषा की पहचान जिसके अंतर्गत बाइट्स व ग्राम्स और टेक्स्ट वर्गीकरण की अवधारणा को परिभाषित किया . इसके अलावा प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया को लेकर भारत की दृष्टि, टेक्स्ट की आवश्यकता, उसकी विशेषताएं, वर्तनी परीक्षक,

ज्ञान शांति मैत्री

टेक्स्ट से वाक् तथा भाषा प्रौद्योगिकी के लक्ष्य को प्रोफेसर मूर्ति ने बताया. प्रोफेसर मूर्ति ने सरलता पूर्वक प्रतिभागियों के मन में चल रही कई भ्रांतियों को दूर किया. कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी राम अनिरुद्ध ने कॉर्पस में विश्लेषण पद्धति से प्रतिभागियों को अवगत कराया. भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धनजी प्रसाद ने अपने द्वारा विकसित प्रमुख सॉफ्टवेयरों को कार्यशाला में प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें वर्तनी परीक्षक, रूप विश्लेषक, खोजी उपकरण, देवनागरी से रोमन परिवर्तक, द्विभाषी शब्दकोश आदि प्रमुख सॉफ्टवेयर थे. सायंकालीन सत्र में प्रोफेसर मूर्ति ने प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए वाक् से

प्रा. नारायण मूर्ती ने बताई परिभाषा

वाक् अनुवाद, कार्य के विभिन्न आयाम जैसे वाक्य संबंधी, अर्थ संबंधी, कार्यक्रम के स्तर पर तथा वर्तनी परीक्षक पर बात करते हुए ऑटो सिस्टम के विषय संबंधित उनकी सीमाओं और समस्याओं को बताया. भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठता एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हनुमानप्रासाद शुक्ल ने प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति को सूत की माला एवं स्मृति चिह्न (चरखा) देकर उनका आभार प्रकट किया .

प्रतिदिन अखबार
मंगलवार, 20 जनवरी 2015

महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा की तर्ज पर बने पाठ्यक्रम

▸▸गणमान्यों ने व्यक्त किए विचार ▸▸हिंदी विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

प्रतिनिधि, 19 जनवरी

वर्धा- महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17 वें स्थापना दिवस के मौके पर पिछले 17 वर्ष की उपलब्धियां और विश्वविद्यालय के विकास के लिए आने वाले वर्षों में प्रगति की दिशा सुनिश्चित करने हेतु मंथन, स्वप्न और यथार्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की. इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, गोरखपुर विश्वविद्यालय में विज्ञान विभाग के प्रो. महेश्वर मिश्र, जय महाकाली शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचारमंत्री डॉ. हेमचंद्र वैद्य, अभा.मराठी साहित्य महामंडल के सदस्य प्रदीप दाते, लायन्स क्लब के अनिल नरेडी, गांधी विचार परिषद के निदेशक भरत महोदय आदि वक्ताओं ने प्रमुखता से विश्वविद्यालय के बहुमुखी विकास की सराहना करते हुए आगे का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए. प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सरजू प्रसाद मिश्र विशेष रूप में उपस्थित रहे.

प्रास्ताविक मंथन के संयोजक, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय ने किया तथा भूमिका जनसंपर्क अधिकारी बो. एस. मिरगे ने रखी.

प्रो. मनोज कुमार ने कहा, विश्वविद्यालय को उन्मुक्त लोकतांत्रिक विचार के प्रचार प्रसार का केंद्र बनना चाहिए. प्रो. रामानुज अस्थाना ने कहा कि अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग तथा महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी अध्ययन केंद्र एक साथ होने चाहिए. प्रो. महेश्वर मिश्र ने ज्ञान के विस्तार के लिए हिंदी को सक्षम बताते हुए कहा कि कार्पोरेट स्थानीय भाषा बगैर अपने ओजार के नहीं बेच सकते. इसलिए हमें एक से अधिक भारतीय भाषाओं पर काम करना होगा. डॉ. हेमचंद्र वैद्य ने कहा कि विकल्प की तलाश करने की दिशा में इस विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है. भौतिक संसाधनों के साथ हमें अकादमिक विकास पर और ध्यान देना चाहिए. प्रदीप दाते ने कहा कि महात्मा गांधी की

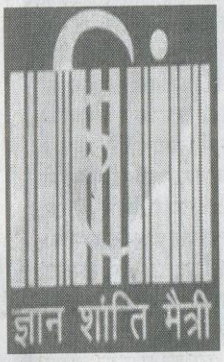

बुनियादी शिक्षा की तर्ज पर पाठ्यक्रम बनाने चाहिए. शुरू के संघर्ष के दिनों में हम विश्वविद्यालय के साथ खड़े रहे है. भरत महोदय ने कहा कि हमें विश्वविद्यालय के आस-पास के माहौल को देखकर उस दिशा में कार्य करना चाहिए और ज्ञान प्राप्ति के लिए जहां से हमें वह मिल रहा है उसे प्राप्त करते रहना चाहिए. पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना गांधी की कर्मस्थली वर्धा में हो इसके लिए हमने 25 वर्ष पूर्व काम किया. गांधीजी के कथन वर्धा भारत का नाभी केंद्र है के अनुसार विश्वविद्यालय वर्धा में स्थापित होना पूरे भारत के लिए गौरव की बात है. अध्यक्षीय संबोधन मे कहा कि कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा की विचारों के प्रजातंत्र की उपस्थिति ही विश्वविद्यालय की केंद्रीय भूमिका में है. मंथन में जो विचार सामने आए हैं उन पर अमल करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. कार्यक्रम में अनिल नरेडी, प्रो. विजय कोल, डॉ. रवींद्र बोरकर, डॉ. ऋषभ मिश्र, शोधार्थी अभिषेक त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, नेहा नेमा आदि ने विश्वविद्यालय के विकास पर अपनी बातें रखी. कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने प्रस्तुत किया. इस अवसर पर वर्धा के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी, कर्मी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डॉ. कौसल्यायन जयंती पर व्याख्यान

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सोमवार को डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन अध्ययन केन्द्र में डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान-2015 का आयोजन किया गया है. विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन केन्द्र की स्थापना हिंदी भाषा एवं बौद्ध दर्शन के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन के नाम से की गई है. इस वर्ष उस कार्यक्रम को डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान के नाम से मनाया जा रहा है. उक्त व्याख्यान के लिए डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन के सहयोगी डॉ.एम.एल.कासारे व प्रसिद्ध कवि श्री भोला वाघमारे को आमंत्रित किया गया है. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र करेंगे.

स्वास्थ्य मेला,रक्तदान शिविर का आयोजन

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य मेला एवं रक्तदान शिविर का आयोजन महर्षि चरक परिसर में किया गया. इस आयोजन में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य जांच करवाई और रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. सर्वश्री डॉ. रवींद्र बोरकर, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, चिराग निनावे, योगेश भस्मे, अमोल आडे, विवेकानंद राय, अश्विन श्रीवास, विजयकरन, स्नेहल तड़स, शैलेंद्र प्रजापति, कृष्ण कुमार यादव आदि का समावेश है. स्वास्थ्य मेले का विधिवत उद्घाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, जिला पुलिस उपअधीक्षक आर.जी. किल्लेकर, प्रो. देवराज, रासेयो के संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, सहसंयोजक बी.एस. मिरगे, डॉ. सुप्रिया पाठक, लायन्स क्लब के अनिल नरेडी, अख्तर कुरेशी की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ. मेले में डॉ. दीपक गुप्ता, सुरेंद्र बेलुरकर, सहायक सुश्री तृप्ति थूल, डॉ. देवश्री धांडे, किशोर बालपांडे, प्रवीण गावंडे, संघरक्षित मून, कांचन उके आदि ने चिकित्सा परीक्षण कर रक्तदान शिविर को सफल बनाया.

प्रतिदिन अखबार
रविवार, 18 जनवरी 2015

हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव

प्रतिनिधि, 17 जनवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव में क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबाल तथा शतरंज आदि खेलों के मैच हो रहे हैं. 9 जनवरी से प्रारंभ हुए इस महोत्सव में क्रिकेट का अंतिम मैच 18 जनवरी को होगा. क्रिकेट के प्रतिदिन 4 मैच होते हैं और हर मैच 16 ओवर का खेला जा रहा है. प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच की घोषणा की जाती है. क्रिकेट के मैच मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा संकुल में सुबह 10.30 बजे से शुरू होते हैं. वहीं बैडमिंटन विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में एवं वॉलीबाल के मैच प्रथम भवन के प्रांगण में खेले जा रहे हैं. बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस खेल महोत्सव में दर्शकों की रुचि बढ़ाने के लिए हर दिन लकी ड्रॉ भी निकाला जाता है जिसमें एक लकी विजेता को टी-शर्ट दिया जाता है. इस महोत्सव में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं और कर्मी बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी कर रहे हैं. महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील खेल महोत्सव समिति की ओर से की गई है.

आज होगा क्रिकेट का अंतिम मैच

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डायस्पोरा अध्ययन विभाग के अध्यापकों एवं छात्र छात्राओं ने अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित प्रवासी दिवस सम्मेलन के तीन दिवसीय कार्यक्रम में शिरकत की. इस दौरान छात्रों ने विभिन्न देशों से आए प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की. कार्यक्रम के दौरान विदेशमंत्री सुषमा स्वराज, विदेश मंत्रालय और प्रवासी भारतीय मंत्रालय के राज्यमंत्री वी.के. सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से सम्मेलन स्थल पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी को भेंट दी.

महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका सत्याग्रह की सफलता के बाद भारत लौटे थे. इस उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है. इस वर्ष 13 वें प्रवासी दिवस सम्मेलन के में विश्वविद्यालय के डायस्पोरा अध्ययन विभाग के छात्रों ने भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र पर आयोजित गोष्ठी में एमफिल की छात्रा सविता कोल्हे और पीएचडी की छात्रा प्रज्ञा राऊल ने हिस्सा लिया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने मेक इन महाराष्ट्र की बात कहकर इसके विकास के लिए एनआरआई से महाराष्ट्र में निवेश करने की अपील की. छात्राओं ने इस दौरान मराठी, पंजाबी, गुजराती, एवं अन्य प्रवासी भारतीयों से बातचीत की. सम्मेलन के अंतिम दिन गोपियो (ग्लोबल आर्गनाइजेशन पीपुल ऑफ इंडियन ओवरसीज) के कार्यक्रम में भी छात्र शामिल हुए तथा हिंदी भाषा के महत्व को लेकर विदेश में हिंदी पढ़ा रहे अध्यापकों से भी बातचीत की. इस अवसर पर गोपियो के अध्यक्ष इंद्र सिंह, गुजरात विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. एम.एन.पटेल, डॉ. नीरजा अरुण गुप्ता के द्वारा डायस्पोरा पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण किया. सम्मेलन में डायस्पोरा विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन राय, सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह और परीक्षा प्रभारी कौशा किशोर त्रिपाठी, डायस्पोरा तथा संचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र शामिल हुए.

प्रतिदिन 24 अखबार
शुक्रवार, 16 जनवरी 2015

प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला प्रारंभ

मनुष्य की बौद्धिकता और प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक-प्रो. मूर्ति

प्रतिनिधि, 15 जनवरी

वर्धा - भाषा को जानने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी के माध्यम से विस्तार एवं विकास करने हेतु मनुष्य की बौद्धिकता और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक है. भारत सरकार के डिजिटल भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कार्यसंस्कृति को अधिक से अधिक बढ़ावा देना चाहिए और इसके केंद्र में सभी भारतीय भाषाओं को रखना चाहिए. उक्त बातें हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा सुविख्यात भाषाविज्ञानी प्रो. कवि नारायण मूर्ति ने कही. वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर बतौर मुख्य प्रशिक्षक बोल रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की.

यह कार्यशाला 15 से 19 जनवरी तक आयोजित है. कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं. प्रो. मूर्ति ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए हमें भाषाओं को बहुसंख्य लोगों तक पहुंचाना चाहिए. इस चुनौती को अमली जामा पहनाने हेतु कंप्यूटर साक्षरता एक अनिवार्य शर्त है. उन्होंने कहा कि भारत में करीब 1600 भाषाएं अस्तित्व में हैं, हमारा भविष्य बोली आधारित होगा और इन भाषाओं के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हमें प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना आवश्यक है. अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा अन्य भाषाओं के साथ हिंदी का भविष्य भी प्रौद्योगिकी के साथ जुड़ा हुआ है. आज हमें बटन पर आधारित नई साक्षरता की जरूरत है. इससे भारत सरकार के डिजिटल भारत, ई-गवर्नेंस आदि महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी. विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में तत्पर है. कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया. उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ने का काम भाषा प्रौद्योगिकी विभाग कर रहा है और इन भाषाओं के लिए भी निरंतर रूप से कार्यशालाएं आयोजित करने की विभागीय योजना है. उद्घाटन सत्र में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी राम अनिरुद्ध, शिवेंद्र बाबू, विभाग के अध्यापक, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, जगदीप दांगी, डॉ. एच.ए. हुनगुंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद आदि के साथ प्रतिभागी एवं शोधार्थी उपस्थित थे. सत्र का संचालन आराधना सक्सेना ने किया.

वर्धा : हिंदी विश्वविद्यालय में व्याख्यान देते प्रो. मूर्ति.

प्रतिदिन अखबार
बुधवार, 14 जनवरी 2015

थर्ड जेंडर के प्रति सामाजिक भेदभाव खत्म हो- रवीना बरिहा

सामाजिक न्याय और थर्ड जेंडर पर गोष्ठी आयोजित

प्रतिनिधि, 13 जनवरी

वर्धा- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में संचालित महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के अंतर्गत शोधवार्ता की पहली कड़ी में समाजिक न्याय और थर्ड जेंडर विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी में प्रमुख वक्ता के रूप में थर्ड जेंडर वेलफेयर बोर्ड छत्तीसगढ़ की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति की सचिव रवीना बरिहा, रायपुर और थर्ड जेंडर वेलफेयर बोर्ड, छत्तीसगढ़ एवं छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति रायपुर की अध्यक्ष विद्या राजपूत उपस्थित थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज ने की.इस कार्यक्रम में रवीना बरिहा ने कहा कि हम ज्ञान के सीमित दायरे में रहते हैं. आज समाज सिर्फ स्त्री और पुरुष के रूप में बंटा है. यहाँ थर्ड जेंडर के अस्तित्व को नहीं माना जाता. आने वाले समय में थर्ड जेंडर समाज के लोग सभी दायरों को तोड़ सकते हैं. इतिहास की साक्ष्य देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा अस्तित्व तो प्राचीन समय से ही रहा है लेकिन आज भी हमारे

लिए इस समाज में कोई जगह नहीं है. वात्सायन के कामसूत्र में ग्यारहवाँ अध्याय तृतीय पंथी पर ही लिखा गया है बावजूद इसके जिस उम्र में हमारे लिए घर का दरवाजा खुलना चाहिए उस समय में दरवाजा तो खुलता है लेकिन बाहर के लिए ऐसा क्यों? जिस उम्र में हमें अपनों का प्यार मिलना चाहिए, उस उम्र में हमें दुत्कार और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है. विद्या राजपूत का कहना था कि आखिर हम समाज को क्यों नहीं दिखाई देते? बचपन से हमारे मन में घाव बनते हैं. हमें इस समाज में शारीरिक, मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ता है. हमारी किसी भी आवश्यकता की पूर्ति इस समाज द्वारा नहीं की जाती है. आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण ही भिक्षावृत्ति एवं वैश्यावृत्ति के सिवाय हमारे सामने कोई विकल्प नहीं होते. 2009 में इन्होंने छत्तीसगढ़ में तृतीय पंथियों के कल्याण के लिए मितवा संकल्प समिति स्थापित की. यह संस्था विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से तृतीय पंथियों की समस्याओं की वकालत कर रही है. उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण हमें ट्रेनों में या घर-घर जाकर नाच-गाना करना पड़ता है.अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. देवराज ने कहा कि इनके वक्तव्यों को सुनकर संवेदना नहीं बल्कि मस्तिष्क में आक्रोश और नए विचार उत्पन्न होने चाहिए. प्राचीन काल से हम उन्हें स्वीकार करने में असफल रहे हैं. समाज का कोई भी वर्ग छोटा हो या बड़ा जब तक हम उसे स्वीकार नहीं करते तब तक हम विकास नहीं कर सकते. कार्यक्रम में आभार वक्तव्य महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने दिया. सूत्र संचालन डॉ. शिवसिंह बघेल ने किया. विषय प्रवेश एवं परिचय डिसेंट कुमार साहू ने किया. कार्यक्रम में समाज कार्य तथा अन्य विभागों के शिक्षक शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम के आयोजन में नरेंद्र दिवाकर, गजानन, शिवाजी एवं नरेश गौतम शामिल थे.

प्रतिदिन अखबार
मंगलवार, 13 जनवरी 2015

पुस्तक और मैं के अंतर्गत काव्य पाठ

प्रतिनिधि, 12 जनवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय 12 जनवरी कों अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में पुस्तक और मैं कार्यक्रम के अंतर्गत सिंगापुर से आए युवा कवि प्रदीप ने अपनी कविता पुस्तक से चुनिंदा कविताओं का पाठ किया. उन्होंने समकालीन पंजाबी लेखन पर बातचीत करते हुए साहित्यिक राजनीति पर अपने विचार रखे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. देवराज ने की मंच संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. रामप्रकाश यादव ने किया स्वागत डॉ. अन्नपूर्णा चर्ल द्वारा किया गया. धन्यवाद ज्ञांपन गोपाल राम ने किया. कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हरप्रीत कौर के द्वारा किया गया. उन्होंने कवि प्रदीप का परिचय देते हुए उपस्थितों को बताया कि वे कवि के साथ-साथ अच्छे पेन्टर एवं संगीतकार भी हैं, उनकी कविता पंजाबी में नए तेवर की कविता है. इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं पूर्व शोधार्थी राजेश मुन उपस्थित थे.

दैनिक भास्कर
बुधवार. 14 जनवरी 2015

बेहतरीन कविताओं ने मन मोहा

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 12 जनवरी को अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में पुस्तक और मैं कार्यक्रम के अंतर्गत सिंगापुर से आए युवा कवि प्रदीप ने अपनी कविता पुस्तक खड़ाक में से चुनिंदा कविताओं का पाठ किया।

उन्होंने समकालीन पंजाबी लेखन पर बातचीत करते हुए बारिस शाह की हीर व साहित्यिक राजनीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. देवराज ने की। संचालन सहायक प्रोफेसर डा. रामप्रकाश यादव ने किया। स्वागत डा. अन्नपूर्णा चर्ल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन गोपाल राम ने किया।

कार्यक्रम का संयोजन डा. हरप्रित कौर ने किया उन्होंने कवि प्रदीप का परिचय देते हुए बताया कि वे कवि के साथ-साथ अच्छे पेंटर एवं संगीतकार भी हैं, उनकी कविता पंजाबी में नए तेवर की कविता है। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं पूर्व शोधार्थी राजेश मून उपस्थित थे।

प्रतिदिन अखबार

, रविवार, 11 जनवरी 2015

खेल भावना को प्रेरित करें - प्रो.

वर्धा : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र. मंच पर उपस्

प्रतिनिधि, 10 जनवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव के उद्घाटन पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि खेल की भावना से खेल कर उसे प्रेरित करें. विद्यार्थी और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में खेल के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए ऐसे महोत्सवों को आयोजन जरूरी है. विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा संकुल में शुक्रवार से वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन आदि खेल आयोजित होंगे. प्रतिकुलपति प्रो.

हिंदी विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव प्रारंभ

चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि खेल के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव विकसित हो.

महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन क्रिकेट प्रतियोगिता से हुआ जिसमें कुलपति ने बल्ला थामकर एवं प्रतिकुलपति ने बॉलिंग कर किया. उद्घाटन कार्यक्रम में खेल समिति के अध्यक्ष प्रो. विजय कौल, प्रो.देवराज, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो.अरविंद कुमार झा, प्रो.के.के. सिंह, प्रो.जगदीश दाँगी, डॉ.अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. राम कठे गोप घोष बी. प्रति कम उपि

प्रतिदिन अखबार

रविवार, 11 जनवरी 2015

हिंदी विवि में बापू और आज का समय पर संगोष्ठी

गांधी जी के विचार कर्म में लाएं

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की सलाह

प्रतिनिधि, 10 जनवरी

वर्धा - गांधी जी कर्म से मनुष्य को जोड़ते थे. उनकी शब्दावली में मनुष्य की बात है. आज के समय में गांधी विचार का आकलन करते हुए हमें उनके विचार कर्म में परिवर्तित करने की जरूरत है. उक्त बातें कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कही. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के सौ साल पूरे होने पर विश्वविद्यालय में बापू और आज का समय विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने अपनी बातें रखी. 9 जनवरी को हबीब तनवीर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे. कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि गांधी विचार के प्रचार-प्रसार को अधिक गति देने के लिए विश्वविद्यालय में गांधी विचार मंच का गठन होना चाहिए. विद्यार्थियों में गांधी जी के जीवन मूल्यों को रोपित करने की दिशा में हमें अपने पाठ्यक्रमों में भी गांधी विचार को स्थान देना चाहिए ताकि गांधी के जीवन दर्शन से छात्र परिचित हो सकें और उनके विचार आचरण में ला सकें. उन्होनें कहा कि गांधी जी के समय में जो सवाल थे वे आज भी हैं, उन सवालों से टकराते समय हमें आत्मसाक्षात्कार कर उसे हल करना चाहिए. गांधी और हिंदी के रिश्ते का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि गांधी जी ने हिंदी को संपर्क भाषा में इस्तेमाल किया था. हमें चाहिए कि विभिन्न मंचों के माध्यम से हिंदी में संपर्क को व्यापक करें. प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने गांधी जी समग्र जीवन दृष्टि और उनके आचार-विचार और व्यवहार पर अपनी बात रखी. प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि आज गांधी पहले से अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं क्यों कि हिंसा, पर्यावरण प्रदूषण आदि समस्याओं का हल गांधी विचार में ही निहित है. डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी दक्षिण अफ्रीका के संस्मरण सुनाते हुए अपना वक्तव्य दिया. उन्होंने कहा कि गांधी जी मोहनदास बनकर दक्षिण अफ्रीका गए थे और वहां से महात्मा बनकर लौटे. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के डॉ. मनोज कुमार राय कहा कि जीवन के हर पहलुओं में गांधी की उपस्थिति है. शिक्षक संघ के अध्यक्ष तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया ने कहा कि गांधी जी ने जो कहा था उसे अमल में लाने की आवश्यकता है. शिक्षा विभाग के अध्यक्ष तथा कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरविंद कुमार झा ने गांधी की शिक्षा को आज की शिक्षा से जोड़ते हुए अपनी बात रखी. सहायक प्रोफेसर शंभू जोशी ने भी अपने विचार रखे. प्रारंभ में विद्यार्थियों ने वैष्णव जन तो ... भजन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का संचालन नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो.सुरेश शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने किया. इस अवसर पर गांधी जी पर आधारित विठ्ठल भाई झवेरी की फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया. कार्यक्रम में अध्यापक, अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम सफल बनाने में सुश्री निधि गौड़, धर्मेंद्र शंभरकर ने सहयोग किया.

प्रतिदिन अखबार
रविवार,11 जनवरी 2015

महात्मा गांधी व तुकड़ोजी महाराज व्याख्यानमाला

प्रतिनिधि, 10 जनवरी

अमरावती- संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ व केशव सीतारामपंत दाते बुलढाणा की ओर से प्राप्त निधि से मंगलवार 13 जनवरी को महात्मा गांधी व्याख्यानमाला का आयोजन शिवाजी विज्ञान व कला महाविद्यालय, चिखली में आयोजित किया है.

सुबह 11.30बजे आयोजित व्याख्यानमाला का विषय '21 वीं शताब्दि में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता' है. जिसमें महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ वर्धा के अहिंसा शांति एवं अध्ययन विभाग के वक्ता डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी अभ्यासपूर्ण व्याख्यान देंगे. कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थान पर विद्यापीठ के कुलगुरु डॉ. मोहन खेड़कर व प्रमुख उपस्थिति में प्र. कुलगुरु डॉ. जयकिरण तिड़के, शिवाजी शिक्षण संस्था के उपाध्यक्ष महादेव भूईमार उपस्थित रहेंगे.

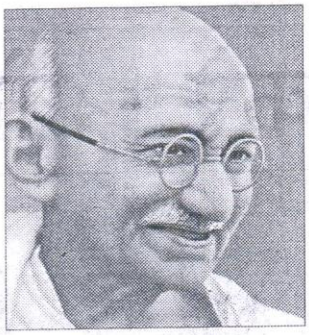

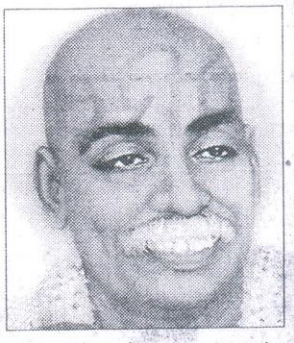

व्याख्यानमाला में बड़ी संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान शिवाजी विज्ञान व कला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन.बी. भुसारी, विद्यापीठ हिंदी विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. शंकर बुंदेले व कुलसचिव प्रा. दिनेशकुमार जोशी ने किया है.

साथ ही संगाबा अमरावती विद्यापीठ की ओर से व राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज शिक्षण संस्था गुरुकुंज आश्रम की ओर से प्राप्त निधि से राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज व्याख्यानमाला का आयोजन बुधवार 14 जनवरी को कन्हैय्यालाल रामचंद्र इन्नानी महाविद्यालय कारंजा लाड में किया गया है. जिसमें पूर्वमंत्री व प्रसिद्ध वक्ता सुरेन्द्र भुयार 'राष्ट्रसंत के शैक्षणिक विचार' विषय पर विचार व्यक्त करेंगे.

उक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष स्थान पर कुलगुरु डॉ. मोहन खेड़कर व प्रमुख अतिथि के रुप में प्र. कुलगुरु डॉ. जयकिरण तिडके व विद्याभारती शैक्षणिक मंडल के अध्यक्ष रावसाहब शेखावत उपस्थित रहेंगे. व्याख्यानमाला का लाभ लेने का आह्वान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.पी. पाटिल, प्रा. डॉ. शंकर बुंदेले व कुलसचिव प्रा. जोशी ने किया है.

प्रतिदिन अखबार
गुरुवार, 8 जनवरी 2015

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में बिदेसिया लोकनाट्य कार्यशाला

समाज को समझने और सीखने की जरूरत-प्रो. शर्मा

प्रतिनिधि, 7 जनवरी

वर्धा - आज के समय में लोकसमाज को समझने और उनसे सीखने की अत्यंत आवश्यकता है. भारत में लोकनाट्य की परंपरा काफी पुरानी है. उन नाटकों के माध्यम से हम आज लोकनाटकों को और बेहतर बना सकते हैं. उक्त बातें नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यख प्रो. सुरेश शर्मा ने रखी. वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में बिदेसिया लोक नाट्य कार्यशाला के उद्घाटन पर बोल रहे थे.

वर्धा : हिंदी विश्व विद्यालय के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में लोकनाट्य का मंचन.

कार्यशाला का संचालन भिखारी ठाकुर रंगमंडल के कलाकार प्रभुनाथ ठाकुर एवं जैनेन्द्र कुमार दोस्त ने किया. प्रभुनाथ ठाकुर जहां महान लोककलाकार भिखारी ठाकुर के परिवार के सदस्य (भतीजे) हैं वहीं जैनेन्द्र कुमार दोस्त नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के पूर्व छात्र हैं जो अभी जेएनयू, दिल्ली में बिदेसिया लोक नाट्य शैली पर पीएचडी कर रहे हैं. इस मौके पर नाट्यकला एवं फिल्म विभाग के प्राध्यापक डॉ. सतीश पावड़े तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे.

प्रो. सुरेश शर्मा ने कार्यशाला के दोनों संचालकों का स्वागत करते हुए भिखारी ठाकुर के जीवन और उत्तरभारत में भिखारी ठाकुर की लोकप्रियता पर प्रकाश डाला. जैनेन्द्र कुमार दोस्त ने विभाग और विश्वविद्यालय को इस कदम के लिए शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि लोकनाट्यों के माध्यम से हम कई सारे पारंपरिक और आधुनिक बहसविमर्शों को समझ सकते हैं. अकादमिक जगत में खास कर के परफॉर्मेंस के अध्ययन में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है. प्रभुनाथ ठाकुर ने कहा कि पारंपरिक लोककलाकारों को अकादमिक जगत में सीखने-सिखाने के लिए मौका देना बहुत ही सराहनीय कदम है, इससे होनहार और कलाप्रेमी छात्रों की पहचान की जा सकती है.

कार्यशाला के संयोजक डॉ. सतीश पावड़े ने कहा कि भिखारी ठाकुर जैसे महान लोक कलाकार, चिंतक के परिवार के किसी सदस्य का हमारे विश्वविद्यालय में आना और हमें अपने लोक कला शैली के बारे में बताना एक ऐतिहासिक क्षण है. उन्होंने कहा कि इसके पहले भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहब फाल्के के परिवार के सदस्यों को भी बुलाया गया था. कार्यशाला से प्रशिक्षित छात्रों ने भिखारी ठाकुर के नाटक गबरघिचोर की प्रस्तुति 29 दिसंबर को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में की. उद्घाटन सत्र का संचालन विभाग के एमफिल के छात्र रोहित कुमार ने किया तथा एवं धन्यवाद ज्ञापन श्वेता क्षीरसागर ने किया.

प्रतिदिन अखबार
सोमवार, 5 जनवरी 2015

हिंदी विवि में महाराष्ट्र के लोकरंग

प्रतिनिधि, 4 जनवरी

वर्धा -महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर गीत एवं नाटक विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा महाराष्ट्र का लोकरंग कार्यक्रम के माध्यम से महाराष्ट्र की विभिन्न लोक कलाओं की प्रस्तुति की गई. कलाकारों ने गण, गवलन, मावशी, भारुड़, गोंधल, अभंग, वासुदेव आदि लोक कलाओं की प्रस्तुति से उपस्थितों का मन मोह लिया.उपनिदेशक ध्रुव अवस्थी तथा प्रबंधक किरण कुमार भुजबल के मार्गदर्शन में संध्या लोंढे व पंकज दाभाड़े सहित 20 से अधिक कलाकारों ने महाराष्ट्र की लोक परंपराओं को उपस्थितों के सामने रखा. कलाकारों ने खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा आदि गीत एवं लावणी प्रस्तुत की. स्वच्छ भारत, घरकुल योजना, प्रौढ़ शिक्षा, शराबबंदी तथा नशामुक्ति का संदेश दिया और मिमिक्री आदि के माध्यम से श्रोताओं को लोट-पोट कर दिया. इन कलाकारों में परभणी, नांदेड़, सातारा, मिरज आदि स्थानों से आए कलाकार शामिल थे. समाज को मुख्य प्रवाह में लाने की दिशा में वे लोक कलाओं के माध्यम से कार्य करते हैं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडप में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कलाकारों को प्रमाण पत्र प्रदान किए. समारोह का संचालन प्रो. सुरेश शर्मा ने किया. कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. सतीश पावड़े एवं बी.एस. मिरगे ने महती भूमिका निभाई. समारोह में वर्धा के गणमान्य नागरिक,अध्यापक, अधिकारी, कर्मी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे.

ज्ञान शांति मैत्री

प्रतिदिन अखबार
शनिवार, 3 जनवरी 2015

हिंदी विश्वविद्यालय में सरोजिनी नायडू वादविवाद प्रतियोगिता

प्रतिनिधि, 2 जनवरी

वर्धा- महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में डिबेटिंग सोसायटी द्वारा वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडम में मंगलवार को किया गया. प्रतियोगिता का विषय था 'कश्मीर एवं उत्तर पूर्व से आफ्स्पा हटाना' वहां के लोगों के हित में है. प्रतियोगिता में छात्रों ने पक्ष और विपक्ष में अपनी बात रखी. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की. प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा डिबेटिंग सोसायटी की संयोजक अवंतिका शुक्ला मंचासीन थे. जिला पुलिस उपाधीक्षक (गृह) आर. जी. किल्लेकर, प्रोद्योगिकी अध्ययन केंद्र के निदेशक विजय कौल, स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक, सहायक कुलसचिव ज्योतिष पार्येग परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे. इस वर्ष की सरोजिनी नायडू ट्रॉफी गोविंदराम सेकसरिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स वर्धा के श्यामसुंदर सेवाग और स्वप्निल पेठे ने जीती. प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र का छात्र रजनीश कुमार त्रिपाठी को, द्वितीय पुरस्कार संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के छात्र अविनाश त्रिपाठी को, तृतीय पुरस्कार स्त्री अध्ययन विभाग के पीएच.डी. शोधार्थी आरती कुमारी को तथा सांत्वना पुरस्कार संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र का छात्र दक्षम द्विवेदी को प्रदान किया गया. प्रतियोगिता में मुकेश कुमार जायसवाल कृष्ण मोहन रजनीश कुमार त्रिपाठी, प्रितेश पाण्डेय, दिनेश पटेल, शिल्पा भगत, अभिषेक त्रिपाठी, अंजली राजपूत, शामसुंदर सेवाग, स्वप्निल पेठे, रक्षा महाजन, नेहा दुबे, विजय कुमार पक्ष, ऋषित दीवान अभिलाषा सिंह, नीरज कुमार सिंह, अविनाश त्रिपाठी, आरती कुमारी, दक्षम द्विवेदी ने पक्ष और विपक्ष में अपनी बातें रखीं.

वर्धा के गोविंदराम सेकसरिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने जीती ट्रॉफी

नवभारत
3 जनवरी, 2015

हिंदी विवि में 'महाराष्ट्र का लोकरंग' की प्रस्तुति

कलाकारों को प्रमाणपत्र वितरित

वर्धा (का). महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस पर गीत एवं नाटक विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार पश्चिम क्षेत्र पुणे द्वारा 'महाराष्ट्र का लोकरंग' कार्यक्रम के माध्यम से महाराष्ट्र की विभिन्न लोक कलाओं की प्रस्तुति की गयी. कलाकारों ने गण, गवलन, मावशी, भारूड, गोंधल, अभंग, वासुदेव आदि लोक कलाओं की प्रस्तुति से उपस्थितों का मन मोह लिया. गीत एवं नाटक विभाग के उपनिदेशक ध्रुव अवस्थी तथा प्रबंधक किरणकुमार भुजबल के दिशानिर्देशन में पथक प्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे सहित 20 से अधिक कलाकारों ने महाराष्ट्र की लोक परंपराओं को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थितों के सामने रखा. कलाकारों में परभणी, नांदेड़, सातारा, मिरज आदि स्थानों से आए कलाकार शामिल थे.

विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडप में आयोजित लोकरंग कार्यक्रम में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र ने कलाकारों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किये. संचालन नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो.सुरेश शर्मा ने किया. कार्यक्रम के आयोजन में डा. सतीश पावडे एवं बी.एस. मिरगे ने महती भूमिका निभाई.

फूड फेस्टिवल का लोगों ने उठाया लुत्फ

'फूड फेस्टिवल' का उद्घाटन कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने समता भवन के प्रांगण में किया. प्रो.अरुणेश नीरन ने 'सामासिक संस्कृति और भारतीय व्यंजन' विषय पर व्याख्यान दिया. फूड फेस्टिवल में देशभर के विभिन्न प्रांतों के लजीज व्यंजनों के स्वाद लोगों ने लिया. फेस्टिवल में खास आकर्षण रहा

देशोन्नती
शनिवार दि.३ जानेवारी २०१५

थोडक्यात

वर्धा : स्थानिक हिंदी विश्वविद्यालयामध्ये सांस्कृतिक कार्यक्रम सुरू आहेत. या दरम्यान महाराष्ट्राचा लोकरंग कार्यक्रम सादर करताना कलाकार.

नवभारत

8 जनवरी, 2015

निरंतर चलने वाले यात्री थे डा. कौसल्यायन

मिश्र ने कहा

वर्धा (का). डा. भदंत आनंद कौसल्यायन निरंतर चलने वाले यात्री थे. दस वर्ष तक वर्धा में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने हिंदी की सेवा की. वे यायावर ऋषि थे. यह बात प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कही. वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में डा. भदंत आनंद कौसल्यायन स्मृति व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. एल. कारुण्यकरा ने की. विश्वविद्यालय के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन केंद्र में स्मृति व्याख्यानङ्क2015 का आयोजन किया गया था. व्याख्यान में डा. कौसल्यायन के सहयोगी तथा केंद्र के संस्थापक निदेशक डॉ.एम.एल.कासारे व कवि भोला वाघमारे उपस्थित थे.

इस अवसर पर केंद्र की सहायक प्रोफेसर शुभांगी शंभरकर को पाली एवं बौद्ध अध्ययन विषय में जेआरएफ उत्तीर्ण करने पर तथा लॉर्ड बुद्धा टीवी के ब्युरो प्रमुख डा. प्रवीण वानखेडे को एवं केंद्र के कर्मी मालती चौहान, अमन ताकसांडे, अनिकेत गायकवाड़ एवं सुहास कांबले को शॉल एवं पुष्पगुच्छ से प्रतिकुलपति प्रो. मिश्र द्वारा सम्मानित किया गया. संचालन केंद्र के प्रभारी निदेशक डा. सुरजीत कुमार सिंह एवं आभार केंद्र की सहायक प्रोफेसर शुभांगी शंभरकर ने माना. इस अवसर पर डा. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, डा. डी. एन. प्रसाद, डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, रवि शंकर सिंह,

नवभारत
6 जनवरी; 2015

विवि की विकास यात्रा में

हम सब साथ हैं

'मंथन स्वप्न और यथार्थ' में वक्ताओं ने दिलाया भरोसा

वर्धा (का). महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस पर पिछले 17 वर्ष की उपलब्धियां और विश्वविद्यालय के विकास के लिए आने वाले वर्षों में प्रगति की दिशा तय करने हेतु 'मंथन स्वप्न और यथार्थ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अध्यक्षता कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने की. कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, गोरखपुर विवि में विज्ञान विभाग के प्रो. महेश्वर मिश्र, जय महाकाली शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, पूर्व ओएसडी डॉ.हेमचंद्र वैद्य, अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के सदस्य प्रदीप दाते, अनिल नरेडी आदि ने विवि के विकास की सराहना की और कहा कि विवि की इस विकास यात्रा में हम सब साथ है. कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा की विचारों के प्रजातंत्र की उपस्थिति ही विश्वविद्यालय की केंद्रीय भूमिका में है. उन्होंने आह्वान किया कि क्षमता और साधनों का भरपूर उपयोग कर लगन और निष्ठा के साथ विश्वविद्यालय के लिए समर्पित कार्य करना चाहिए. 'मंथन' में जो विचार सामने आए हैं. उन पर अमल करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. उन्होंने पूर्व कुलपतियों का उल्लेख करते हुए उनके द्वारा संघर्ष और कठिण काल में किए गए कार्यों की सराहना भी की. इसके अलावा सभी अतिथियों ने उपस्थितों को संबोधित किया. कार्यक्रम में अनिल नरेडी, प्रो. विजय कौल, डॉ. रवींद्र बोरकर, डॉ. ऋषभ मिश्र, शोधार्थी अभिषेक त्रिपाठी, राजेंद्र यादव, नेहा नेमा आदि ने विश्वविद्यालय के विकास पर अपनी बातें रखी. संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया. प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सरजू प्रसाद मिश्र विशेष अतिथि थे. प्रस्तावना प्रो. अनिल कुमार राय ने व भूमिका जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे ने रखी.

नवभारत
5 जनवरी, 2015

हिंदी विवि में स्वास्थ्य सम्मेलन

वर्धा (का). महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य सम्मेलन एवं रक्तदान शिविर का आयोजन महर्षि चरक परिसर, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में किया गया. आयोजन में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य जांच करायी व रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया. शिविर में चिकित्सा जांच कर रक्तदान किया जिनमें डा.रवींद्र बोरकर, डा.अनवर अहमद सिद्दीकी, चिराग निनावे, योगेश भस्मे, अमोल आडे, विवेकानंद राय, अश्विन श्रीवास, विजयकरन, स्नेहल तडस, शैलेंद्र प्रजापति, कृष्णव कुमार यादव आदि शामिल है. सम्मेलन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र के हाथों एवं प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, पुलिस उपअधीक्षक आर.जी.ि कल्लेरकर, प्रो. देवराज, डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, सहसंयोजक बी. एस. मिरगे, डा. सुप्रिया पाठक, अनिल नरेडी, अख्तर कुरेशी की मुख्य उपस्थिति में हुआ. सफलतार्थ महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के डा.दीपक गुप्ता, सुरेंद्र बेलुरकर, सहायक तृप्ति थूल, डा. देवश्री धांडे, किशोर बालपांडे, जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण गावंडे, संघरक्षित मून, कांचन उके आदि ने सहयोग किया.

महाराष्ट्र टाइम्स
प्रतिक्रियेसाठी mtngpletters@gmail.com
गुरुवार, १ जानेवारी २०१५

रंगारंग लोकरंग...

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या १७व्या स्थापनादिनानिमित्त मंगळवारी सायंकाळी 'लोकरंग' सादर झाला. गण, गवळण, मावशी, भारुड, गोंधळ, अभंग, वासुदेव यासारख्या लोककला सादर करण्यात आल्या. खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा यासारखी गाणी सादर केली. स्वच्छ भारत, घरकुल योजना, प्रौढ शिक्षण, दारूबंदी, व्यसनमुक्ती, असे संदेश नाट्याच्या माध्यमातून दिले. सुमारे २० कलाकारांनी महाराष्ट्रातील लोककलांच्या दर्शन घडवित प्रेक्षकांच्या मनाचा ठाव घेतला.

महाराष्ट्र टाइम्स
गुरुवार, १ जानेवारी २०१५

हिंदी सेवा सन्मानप्राप्त डॉ. दामोदर खडसे, डॉ. सुलभा कोरे, प्रा. चंद्रदेव कवडे, डॉ. गिरीश काशिद, हरीश अड्याळकर, नरेंद्र दंढारे.

सहा मराठी भाषिकांचा 'हिंदी सेवी'ने गौरव

म. टा. प्रतिनिधी, वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या स्थापनादिनानिमित्त मूळचे मराठी असतानाही हिंदी भाषेमध्ये कार्य करणाऱ्या सहा जणांना हिंदी सेवी सन्मानने गौरविण्यात आले.

यात वरिष्ठ हिंदी-मराठी साहित्यिक डॉ. दामोदर खडसे (पुणे), भाषांतरकार आणि संवाद लेखिका डॉ. सुलभा कोरे (पुणे), डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठातील हिंदी विभागाचे माजी विभागप्रमुख प्रा. चंद्रदेव कवडे, सोलापूर विद्यापीठातील डॉ. गिरीश काशिद, नागपूरच्या लोहिया अध्ययन केंद्राचे संस्थापक हरीश अड्याळकर तथा राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचार अधिकारी नरेंद्र दंढारे यांचा समावेश आहे.

कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांच्याहस्ते या सर्वांना पुरस्कार प्रदान करण्यात आला. कार्यक्रमाला प्र-कुलगुरु प्रा. चित्तरंजन मिश्र, हिंदी सेवी सन्मान समितीचे सदस्य प्रदीप दाते, कवी लोकनाथ यशवंत, रंजना दाते आदींची उपस्थिती होती. संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले.

गुड मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
गुरुवार, १ जानेवारी २०१५

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाचा १७ वा स्थापना दिवस साजरा केल्या जात आहे. यापसंगी भारत सरकारच्या गीत आणि नाटक विभागाच्या पुणे शाखेचे कलाकार भारूड सादर करताना

देशोन्नती
गुरुवार, दि. १ जानेवारी २०१५

थोडक्यात

वर्धा :हिंदी विविमध्ये माहिती आणि प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारच्या पश्चिम क्षेत्र पुणेच्या कलाकारांनी मंगळवारी 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रम सादर केला.

गुड मॉर्निंग यवतमाळ
लोकशाही वार्ता
गुरुवार, २९ जानेवारी २०१५

जिल्ह्यात आज मनोविकार तज्ज्ञांची राष्ट्रीय कार्यशाळा

प्रतिनिधी/वर्धा

इंडियन सायकीअॅट्रीय सोसायटी, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ आणि दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने गुरुवार दि. २९ रोजी म.गां.हिंदी विद्यापीठाच्या हबीब तन्वीर सभागृहात बालकांचे लैंगिक शोषण आणि भारतातील सद्य परिस्थिती यावर राष्ट्रीय स्तरावरील एक दिवसीय निरंतर वैद्यकीय शिक्षण कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली आहे.

सावंगी (मेघे) येथील जवाहरलाल नेहरू वैद्यकीय महाविद्यालयाच्या संशोधन व विकास विभागाचे संचालक तसेच मानसोपचारतज्ज्ञ डॉ. प्रकाश बेहेरे यांच्या मार्गदर्शनाखाली आयोजित कार्यशाळेत आंतरराष्ट्रीय किर्तीचे मनोविकारतज्ञ डॉ. टी.व्ही. अशोकन (चेन्नई), कुलपती डॉ. गिरीश्वर मिश्र, इंडियन सायकॅट्रिक सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. विद्याधर वाटवे (पुणे), उपाध्यक्ष डॉ. जी. प्रसाद राव (हैद्राबाद), डॉ. एन.एन.राजू (विशाखापटनम), डॉ. विनयकुमार (पाटणा), डॉ. जे.एस.एस.राव (म्हैसूर), डॉ. युसुफ माचिसवाला (मुंबई), डॉ. जे.दास (गोहाटी), डॉ. के.के.मिश्रा (सेवाग्राम), डॉ. सुशील गावंडे (नागपूर), प्रतिभा गजभिये यांचा मार्गदर्शक म्हणून सहभाग राहणार आहे.

लोकशाही वार्ता
सोमवार, २६ जानेवारी २०१५

हिंदी विद्यापीठात कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर हस्ते ध्वजारोहण

'रन फॉर रिपब्लिक'चे आयोजन

■ प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात प्रजासत्ताक दिनानिमित्त २६ जानेवारी रोजी कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र ध्वजारोहण करतील.

प्रारंभी प्रो. मिश्र गांधी हिल वर जावून महात्मा गांधी यांच्या प्रतिमेला माल्यार्पण करून अभिवादन करतील. सकाळी ८.१५ वा. ते ध्वजारोहण करतील. या निमित्ताने शिक्षक संघाच्या वतीने प्रजासत्ताकासाठी दौड 'रन फॉर रिपब्लिक' चे आयोजन सकाळी ६ वा. मुख्य द्वारापासून करण्यात येईल. विद्यार्थी, शिक्षक आणि शिक्षकेत्तर कर्मचारी यांनी दौडमध्ये सहभागी व्हावे असे आवाहन अध्यक्ष डॉ. धरवेश कठेरिया व महासचिव डॉ. राकेश मिश्र यांनी केले आहे. ■

लोकशाही वार्ता
रविवार, २५ जानेवारी २०१५

गांधी एकादश चमू विजेता

हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सव

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सवात क्रिकेटच्या अंतिम सामन्यात एकादश परिसर विकास एकादशला हरवून विजय प्राप्त केला. मेजन ध्यानचंद क्रीडांगणावर १८ जानेवारीला क्रिकेटचा अंतिम सामना खेळला गेला. यात गांधी एकादशने १६ षटकांच्या सामन्यात ९६ धावांचे लक्ष ग्राठत १२ ओव्हर मध्येच विजय पटकाविला.

गांधी एकादशचे नेतृत्व पंकज पाटील यांनी तर परिसर विकास एकादशचे नेतृत्व राजीव पाठक यांनी केले. गांधी एकादश चमूत कॅप्टन पंकज पाटील, विजय यादव, सचिन कुंभलवार, पुष्कर सिंह, भूषण साळवे, मनोज ठाकूर, अजय प्रताप सिंह, राम प्रसाद कुमरे, वेद प्रकाश, आलोक श्रीवास्तव, वैभव सुशील, बी.पी.सिंह तथा सुधीर ठाकूर यांचा समावेश होता. परिसर विकासच्या चमूत कॅप्टन राजीव पाठक, सत्यम अधिकारी, राजू पवार, विवेक तडस, अनिकेत गहुकार, अमित गायकवाड, जावेद बेग, नौशाद, अमोल आडे, गिरीश ठवकर तथा सुधीर यांचा समावेश होता.

१६ षटकांच्या सामन्यांचा प्रारंभ प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी केला. कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या द्वारे सचिन कुंभलवारला मॅन ऑफ द मॅचचा तर जावेद बेग याला मॅन ऑफ द सिरीजचा पुरस्कार देण्यात आला. यावेळी क्रीडा समितीचे अध्यक्ष प्रो. विजय कौल, शिक्षक संघाचे अध्यक्ष धरवेश कठेरिया, विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, के. के. त्रिपाठी, श्रीरमन मिश्र, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, संदीप वर्मा, राजेश अरोरा उपस्थित होते. डॉ. अनवर सिद्दीकी, आशीष, प्रकाश तथा रवि यांनी कमेंटेटर म्हणून तर अविनाश त्रिपाठी व नीरज सिंह यांनी अंपायरची भूमिका पार पाडली.

मॉर्निंग वर्धा

लोकशाही वार्ता

शुक्रवार, २३ जानेवारी २०१५

समाज कल्याणासाठी व्हावे संशोधन -कुलगुरू

समाज शास्त्रात संशोधन कार्यशाळेचा समारोप

प्रतिनिधी/वर्धा

संशोधनाच्या माध्यमातून नवार विचार पुढे आला पाहिजे आणि परिवर्तनाच्या दिशा विस्तारित झाल्या पाहिजे. संशोधनाचा लाभ समाज कल्याणासाठी झाला पाहिजे असे प्रतिपादन कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्लीच्या वतीने १० ते १९ जानेवारी दरम्यान समाज शास्त्रात संशोधन विषयावर कार्यशाळा घेण्यात आली. सोमवारी कार्यशाळेचा समारोप झाला. त्यावेळी ते बोलत होते. मंचावर मुख्य अतिथी म्हणून दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थेचे सल्लागार तथा एमसीआयच्या अकादमिक समितीचे अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र तसेच महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक तथा अभ्यासक्रम निदेशक प्रो. मनोज कुमार उपस्थित होते.

कार्यशाळेत १३ राज्यांमधील २० विद्यापीठांचे विद्यार्थी उपस्थित झाले होते. समारोपात प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. वेद प्रकाश मिश्र तथा प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांच्या द्वारा प्रमाणपत्र देण्यात आले.

प्रो. वेद प्रकाश मिश्र म्हणाले, गुणवत्तापूर्ण संशोधनाकरिता त्याला आपला व्यवसायाचा एक भाग बनविले पाहिजे. प्रो. पी. जी. जोगदंड म्हणाले, समाज शास्त्रातील संशोधनातून समाजोपयोगी कार्य झाले पाहिजे. ज्ञान अद्ययावत करण्यासाठी कार्यशाळांची आवश्यकता असते असेही त्यांनी सूचविले. स्वागत व्यक्तव्य प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी दिले. विवेक जागृतीचे काम करण्यासाठी शोधकर्त्यांसाठी कार्यशाळा घेतल्या पाहिजेत असे मत त्यांनी मांडले. सहायक प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी यांनी कार्यशाळेचा अहवाल प्रस्तुत केला. संचालन अभ्यासक्रम संयोजक डॉ. मिथिलेश यांनी केले. यावेळी प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. विजय कौल, डॉ.रामानुज अस्थाना, बी.एस.मिरगे यांच्यासह विद्यार्थी मोठ्या संख्येने हजर होते.

मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
शनिवार, १७ जानेवारी २०१५

मार्गदर्शन

हिंदी विद्यापीठात प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा

मनुष्याची बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञानात ताळमेळ आवश्यक - प्रा. कवी नारायण मूर्ती

प्रतिनिधी/वर्धा

भाषा जाणणे, समजणे आणि भाषेचा तंत्रज्ञानाच्या माध्यमातून विकास करण्यासाठी मनुष्याची बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञान यामध्ये ताळमेळ असणे आवश्यक आहे. भारत सरकारने डिजिटल भारताचे स्वप्न पूर्ण करण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान आधारित कार्य-संस्कृतीला प्रोत्साहन देत सर्व भाषांना जोडले गेले पाहिजे, असे मत हैदराबाद केंद्रीय विद्यापीठातील भाषातज्ज्ञ प्रो. कवी नारायण मूर्ती यांनी गुरूवारी मांडले. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या भाषा तंत्रज्ञान विभागात प्राकृतिक भाषा संधान कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली. कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी ते मुख्य प्रशिक्षक म्हणून बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र होते.

ही कार्यशाळा १५ ते १९ जानेवारीदरम्यान आयोजित करण्यात आली. कार्यशाळेत ७० हून अधिक प्रतिनिधी सहभागी झाले. प्रो. मूर्ती म्हणाले की माहिती, तंत्रज्ञानाचा वापर करत आम्हाला अधिकाधिक लोकांपर्यंत पोहोचले पाहिजे. भारतात १६०० भाषा अस्तित्वात आहेत. आमचे भविष्य बोलींवर आधारित असेल, भाषांचे अस्तित्व राखण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे.

प्रो. चित्तरंजन मिश्र म्हणाले, भाषांचे भविष्य नव्या तंत्रज्ञानाच्या वापरावर विसंबून राहू लागले आहे. आम्हाला नव्या साक्षरतेची गरज निर्माण झाली आहे. भारत सरकारच्या डिजिटल भारत, ई-गवर्नंस या महत्त्वाकांक्षी योजना अंमलात आणण्यासाठी तंत्रज्ञानाची मदत घेतली पाहिजे असेही ते म्हणाले. स्वागत वक्तव्य प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल यांनी दिले. ते म्हणाले, हिंदीवर इतर भारतीय भाषांना तंत्रज्ञानाशी जोडण्याचे काम विद्यापीठाचा भाषा तंत्रज्ञान विभाग करत आहे.

उद्घाटन सत्रात राम अनिरुद्ध, शिवेंद्र बाबू, डॉ. अनिल कुमार पांडे, जगदीप दोंगी, डॉ. एच.ए. हुनगुंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद, डॉ. अनवर अहमद सिद्दिकी, बी.एस. मिरगे, शैलेश कदम मरजी, डॉ. सुरजित कुमार सिंह, सुषमा लोखंडे, डॉ. अन्नपूर्णा सी. यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते. संचालन आराधना सक्सेना यांनी केले.

लोकशाही वार्ता
~~शुक्रवार, २ जानेवारी २०१५~~
शुक्रवार, १६ जानेवारी २०१५

सभ्यता पुढे तर संस्कृती मागे जात आहे - डॉ. विजय धारूरकर

हिंदी विद्यापीठात 'समाज विज्ञानात शोध पद्धती'वर कार्यशाळा

प्रतिनिधी/ वर्धा

वर्तमान काळात आम्ही विकासाच्या पाश्चिमात्य प्रतिमानाच्या सिद्धांतांना अधिक महत्त्व देत आहोत, यामुळे सभ्यता पुढे तर संस्कृती मागे जात आहे, असे मत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद येथील लिबरल आर्टस विभागाचे निदेशक आणि जनसंवाद विषयाचे गाढे अभ्यासक डॉ. विजय धारूरकर यांनी मांडले.

ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात समाजशास्त्रात शोध पध्दतीवर आयोजित कार्यशाळेत बुधवारी संचार माध्यम आणि शोध पध्दती या विषयावर बोलत होते. डॉ. धारूरकर यांनी संचार माध्यमांमध्ये चार प्रकारच्या शोध पध्दतींची चर्चा आपल्या व्याख्यानात केली. ते म्हणाले माध्यम, समाज, संस्कृती आणि संदेश केंद्रित अध्ययनाच्या माध्यमातून मीडियामध्ये शोध करता येतो. प्रसार माध्यमांची संख्यात्मक वृद्धी यावर ते म्हणाले की माध्यम, समाज, संस्कृती आणि संदेश केंद्रित अध्ययाच्या माध्यमातून मीडियामध्ये शोध करता येतो.

ते म्हणाले की स्वातंत्र्यापूर्वी गावांशी संबंधित बातम्यांना एक टक्के पेक्षाही कमी जागा मिळत असे आज ते प्रमाण ५ टक्यांपर्यंत गेले आहे. अर्थात, मध्यल्या काळात प्रसार माध्यमांमध्ये संख्यात्मक वाढ मोठ्या प्रमाणावर झाली असली तरी ती वाढ गुणात्मक विकासाकडे परिवर्तीत झाली की नाही याचा शोध घेणे गरजेचे आहे. भारताच्या दृष्टीने माध्यमांनी ग्लोबलाईजेशन ऐवजी हुयमनाईजेशन वर अधिक लक्ष द्यावे असेही ते म्हणाले. कार्यक्रमाचे संचालन मिथिलेश यांनी केले. यावेळी महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. मनोज कुमार, डॉ. शंभू जोशी, बी.एस.मिरगे उपस्थित होते.

गुड मॉर्निंग यवतमाळ
लोकशाही वार्ता
मंगळवार, १३ जानेवारी २०१५

नाट्यकलावंतांना समाजाकडून शिकण्याची गरज - सुरेश शर्मा

नाट्य कला व फिल्म अध्ययन विभागात लोकनाट्य कार्यशाळा

प्रतिनिधी/वर्धा

नाट्यकलावंतानी लोक-समाजाकडून समजण्याची आणि शिकण्याची गरज आहे. भारतातील नाट्यपरंपरेचे मूळ लोक नाटकांमध्ये असून अशा कला जीवंत ठेवण्यासाठी कलाकारांनी या कलेचा मागोवा घेत राहिले पाहिजे, असे प्रतिपादन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे प्रमुख प्रो. सुरेश शर्मा यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात विभागाच्या वतीने बिदेसिया लोक नाट्य कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी बोलत होते. ही कार्यशाळा २२ ते २९ डिसेंबरदरम्यान आयोजित करण्यात आली होती.

कार्यशाळेत संचालन भिखारी ठाकूर रंगमंडलचे कलाकार प्रभुनाथ ठाकूर आणि विभागाचे माजी विद्यार्थी जैनेन्द्र कुमार दोस्त यांनी केले.

कार्यशाळेचे संयोजक डॉ. सतीश पावडे म्हणाले की महान लोक कलाकार भिखारी ठाकूर यांच्या कुटुंबातील सदस्याने लोक कला शैलीविषयी मार्गदर्शन करणे ही ऐतिहासिक घटना होय. याआधी भारतीय चित्रपटासृष्टीचे जनक दादासाहेब फाळके यांच्या कुटुंबातील सदस्यांनाही विभागात बोलविण्यात आले होते असेही ते म्हणाले.

कार्यशाळेत प्रशिक्षण घेतलेल्या विद्यार्थ्यांनी भिखारी ठाकूर यांचे 'गबरघिचोर' हे नाटक विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनाच्या सांस्कृतिक कार्यक्रमात २९ डिसेंबर रोजी सादर केले. उद्घाटन सत्राचे संचालन एम.फिल.चा विद्यार्थी रोहित कुमार याने केले तर आभार श्वेता क्षीरसागर हिने मानले.

गुड मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
सोमवार, १२ जानेवारी २०१५

सादरीकरण

भारत सरकार 'गीत आणि नाटक' विभागातील कलाकारांचा उपक्रम

हिंदी विद्यापीठात 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रमाची प्रस्तुती

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्ताने गीत आणि नाटक विभाग, माहिती आणि प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारच्या पश्चिम क्षेत्र पुणेच्या कलाकारांनी मंगळवारी 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रम सादर केला. या कार्यक्रमात कलाकारांनी महाराष्ट्राच्या विविध लोक कलांचे सादरीकरण केले.

कलाकारांनी गण, गौळण, मावशी, भारूड, गोंधळ, अभंग, वाघ्या मुरळी, वासुदेव इत्यादी लोककलांचे दर्शन आपल्या अभिनय आणि नृत्यांच्या माध्यमातून घडविले. गीत आणि नाटक विभागाचे उप-निदेशक ध्रुव अवस्थी आणि व्यवस्थापक किरण कुमार भुजबळ यांच्या दिशानिर्देशनात २० हून अधिक कलाकारांचा जत्था विद्यापीठात दाखल झाला होता. पथक प्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे यांच्या नेतृत्वात हे कलाकार आपल्या कलांचे दर्शन घडवित असतात.

कार्यक्रमाची सुरुवात गणपती गजवदना गौरीच्या नंदना या गिताने झाली. यानंतर 'खंडेरायाच्या लग्नाला', वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा... आदी एकाकून एक गीत आणि नृत्यांची बहारदार करीत कलाकारांनी उपस्थित श्रोत्यांना जवळपास तीन तास बांधून ठेवले. संवादाची दिलफेक प्रस्तुती आणि हास्यविनोदाने उपस्थित मुग्ध झाले होते. एकाहून एक सरस अशा लावण्या सादर करून त्यांनी उपस्थितांना ठेका धरण्यास बाध्यक केले. आपल्या कलेतून त्यांची स्वच्छ भारत अभियान, घरकुल योजना, प्रौढ शिक्षण, दारूबंदी आणि व्यसनमुक्तीचा संदेशही दिला. हे कलाकार परभणी, नांदेड, सातारा, मिरज येथून आले होते.

गीत आणि नाटक विभाग हा भारत सरकारच्या माहिती आणि प्रसारण मंत्रालयाचा एक महत्वाचा विभाग आहे. हा विभाग देशभरात त्या-त्या ठिकाणाच्या विविध लोकलांच्या माध्यमातून जनजागृती करत असतो. पश्चिम क्षेत्र पुण्याच्या अखत्यारित महाराष्ट्र, गुजरात आणि गोवा ही राज्ये येतात. या राज्यात जाऊन कलाकार लोकांमध्ये लोककलांचे बीजारोपण तर करतातच शिवाय अंधश्रध्दा आणि अनिष्ठ प्रथा नष्ट करण्यासाठी लोकांमध्ये जागरूकता निर्माण करतात.

विद्यापीठात अशा प्रकारचा महाराष्ट्राच्या लोकलाची ओळख करवून देणारा महाराष्ट्राच्या लोकरंग कार्यक्रम पहिल्यांदाच सादर करण्यात आला. यावेळी कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी कलाकाराचे स्वागत करून त्यांना प्रमाणपत्र दिले.

संचालन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा यांनी केले. नाट्यकला विभागाचे डॉ. सतीश पावडे आणि जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे यांच्या विशेष प्रयत्नातून हा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता. कार्यक्रमाला वर्धेतील गणमान्य नागरिक, अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने हजर होते.

गुड मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
शुक्रवार, ९ जानेवारी २०१५

उत्सव

हिंदी विद्यापीठासह जिल्ह्यात ठिकठिकाणी

सावित्रीबाई फुलेंचे शैक्षणिक कार्य जगात सर्वोत्तम उदाहरण - डॉ. दिलीप चव्हाण

सावित्रीबाई फुले ज

■ प्रतिनिधी/वर्धा

सावित्रीबाई फुले यांचे शैक्षणिक कार्य जगात एक उत्कृष्ट आणि सर्वोत्तम उदाहरा होय. एक शिक्षिका म्हणून सावित्रीबाई अशा सुधारक होत्या ज्यांनी विपरित परिस्थितीत तत्कालीन समाजाशी टक्कर देत स्त्री शिक्षणाच्या दिशेने मोलाचे कार्य केले. महात्मा ज्योतीबा फुले आणि सावित्रीबाई यांनी सत्यशोधक समाजाच्या माध्यमातून रूढीवादी समाजाची फ्रेम तोडून जाती निर्मूलन, कुटुंब पुनर्स्थापन आणि शिक्षणासाठी कार्य केले. असल्याचे प्रतिपादन स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड येथील इंग्रजी विभागाचे असोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिलीप चव्हाण यांनी केले.

ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात सावित्रीबाई फुले यांच्या जन्मदिनी आयोजित कार्यक्रमात मुख्य वक्ता म्हणून बोलताना होते. शनिवारी हबीब तनवीर सभागृहात आयोजित कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र होते. प्रारंभी सावित्रीबाई फुले यांच्या प्रतिमेला माल्याप्रण करण्यात आले. यावेळी जिल्हा पोलिस विभागातील

विभागीय समन्वयक प्रतिभा गजभिये, सावित्रीबाई फुले महिला वसतिगृहाच्या अधीक्षक अवंतिका शुक्ला मंचावर उपस्थित होत्या.

यावेळी विद्यार्थींनींनी सांस्कृतिक कार्यक्रम सादर केला. यात भारती देवी, चित्रलेखा अंशू, उपासना, किरण कुंभरे, विजयलक्ष्मी यांनी कविता आणि नृत्य सादर केले. उपस्थितांचे स्वागत अवंतिका शुक्ला यांनी केले. नाजिया आलम आणि सहकाऱ्यांनी 'ये मालिक तेने बंदे हम' गीत सादर केले. कार्यक्रमाला गणमान्य नागरिक विद्यार्थी आणि कर्मचारी मोठ्या संख्येने हजर होते

गुड मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
शुक्रवार, २ जानेवारी २०१५

मराठी भाषी लेखकांना हिंदी विद्यापीठाचा सेवी सन्मान प्रदान

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाद्वारे विद्यापीठाच्या स्थापना दिनानिमित्त अहिंदी भाषी क्षेत्रात हिंदी भाषेमध्ये कार्य करणाऱ्या व्यक्तींना दरवर्षी दिला जाणरा हिंदी सेवी सन्मान या वर्षी वरिष्ठ हिंदी-मराठी साहित्यिक डॉ. दामोदर खडसे (मुंबई), अनुवादक आणि संवाद लेखिका डॉ. सुलभा कोरे (पुणे), डॉ. बाबसाहेब आंबेडकर मराठावाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद येथे हिंदी विभागाचे माजी विभागप्रमुख प्रा. चंद्रदेव कवडे, सोलापूर विद्यापीठात

कार्यरत डॉ. गिरीश काशिद, लोहिया अध्ययन केंद्र, नागपूरचे संस्थापक हरीश अड्यालकर तथा राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचार अधिकारी नरेंद्र दंढारे यांना कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते सोमवार २९ डिसेंबर रोजी प्रदान करण्यात आला.

पुरस्कार स्वरूपात शाल, विद्यापीठाचे स्मृतिचिन्ह आणि प्रशस्तिपत्र प्रीदान करण्यात आले. आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडपात सम्पन्न समारंभात प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र प्रामुख्याने उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. अनवर सिद्दीकी यांनी सदस्य प्रदीप दाते, लॉयन्स क्लबच्या रंजना दाते, समाजसेवी अनिल नरेडी, विद्यापीठाचे अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि गणमान्य नागरिक मोठ्या संख्येने हजर होते.

लोकमत
सोमवार, दि. ५ जानेवारी २०१५

'लोकरंग'मधून घडले महाराष्ट्रातील कलांचे दर्शन

लावणीतील प्रसंग सादर करताना कलावंत.

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या गीत आणि नाटक विभाग, माहिती आणि प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारच्या पश्चिम क्षेत्र पुणेच्या कलाकारांनी महाराष्ट्राचा लोकरंग कार्यक्रम सादर केला. यावेळी कलाकारांनी महाराष्ट्राच्या विविध लोककलांचे सादरीकरण केले.

कलाकारांनी गण, गौळण, भारूड, गोंधळ, अभंग, वाघ्या-मुरळी, वासुदेव इत्यादी लोककलांचे दर्शन आपल्या अभिनय आणि नृत्यांच्या माध्यमातून घडविले. गीत आणि नाटक विभागाचे उप-निदेशक ध्रुव अवस्थी आणि व्यवस्थापक किरण कुमार भुजबळ यांच्या मार्गदर्शनात २० हून अधिक कलाकारांचा जत्था विद्यापीठात दाखल झाला होता. पथक प्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे यांच्या नेतृत्वात हे कलाकार आपल्या कला सादर करतात.

कार्यक्रमाची सुरुवात गणपती गजवदना गौरीच्या नंदना या गिताने झाली. यानंतर खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा अशा एकाकून एक गीत आणि नृत्यांची बहारदार पेशकश करीत कलाकारांनी उपस्थित श्रोत्यांना मंत्रमुग्ध केले. दिलफेक संवाद आणि हास्यविनोद यावेळी पहावयास मिळाले. एकाहून एक सरस अशा लावण्या सादर करून उपस्थितांना ठेका धरण्यास बाध्य केले. आपल्या कलेतून त्यांनी स्वच्छ भारत अभियान, घरकूल योजना, प्रौढ शिक्षण, दारूबंदी आणि व्यसनमुक्तीचा संदेशही दिला. हे कलाकार परभणी, नांदडे, सातारा, मिरज येथून आले होते.

कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रकुलगुरु प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी कलाकारांचे स्वागत करून त्यांना प्रमाणपत्र दिले. संचालन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे प्रा. सुरेश शर्मा यांनी केले. डॉ. सतीश पावडे आणि जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे यांच्या विशेष प्रयत्नातून हा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता.(स्थानिक प्रतिनिधी)

लोकमत शुक्रवार, दि. ३० जानेवारी २०१५

राहुल तेलरांधे

बापूंना आदरांजली... शुक्रवारी महात्मा गांधी यांचा स्मृतिदिन आहे. या पार्श्वभूमीवर पूर्वसंध्येला हिंदी विद्यापीठ परिसरातील गांधी हिल येथील बापूंच्या पुतळ्याचे हे दृश्य शांतीदुताचा परिचय तर करून देत नाही ना!

लोकमत
सोमवार, दि.२६ जानेवारी २०१५

राहुल तेलरांधे

प्रजासत्ताक दिन चिरायू होवो... लहान मुलं म्हणजे स्वच्छंदतेची ओळख, पण हा स्वच्छंदपणा दुसऱ्यांच्या कार्यात बाधा येऊ नये यासाठीच आपण प्रजासत्ताक दिन साजरा करतो. याचेच द्योतक प्रजासत्ताक दिनाच्या पूर्वसंध्येला ही चिमुकली देत आहेत.

लोकमत
सोमवार, दि. १९ जानेवारी २०१५

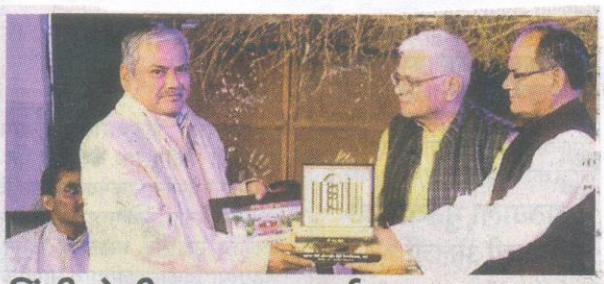

हिंदी सेवी सन्मान कार्यक्रम

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाद्वारे हिंदी भाषेमध्ये कार्य करणाऱ्या अहिंदी व्यक्तींना दिला जाणारा 'हिंदी सेवा सन्मान' वरिष्ठ हिंदी-मराठी साहित्यिक डॉ. दामोदर खडसे, राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचार अधिकारी नरेंद्र दंढारे यांना देण्यात आला. कुलगुरू गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते सत्कारमूर्तींना शाल, विद्यापीठाचे स्मृतिचिन्ह, प्रशस्तिपत्र प्रदान करण्यात आले. यावेळी मान्यवर व सत्कारमूर्तींनी मनोगत व्यक्त केले.

लोकमत
दि. १७ जानेवारी २०१५

नारायण मूर्ती : हिंदी विद्यापीठात प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा

डिजीटल भारत साकारण्यासाठी सर्व भाषांना एकमेकांशी जोडण्याची गरज

वर्धा : भाषा समजून घेण्यासाठी तसेच भाषेचा तंत्रज्ञानाच्या माध्यमातून विकास करण्यासाठी मनुष्याची बुद्धिमत्ता आणि तंत्रज्ञान यामध्ये ताळमेळ असणे आवश्यक आहे . भारत सरकारचे डिजिटल भारताचे स्वप्न पूर्ण करण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान आधारित कार्य-संस्कृतीला प्रोत्साहन देत सर्व भाषांना जोडले पाहिजे.असे मत हैदराबाद केंद्रीय विद्यापीठातील भाषातज्ज्ञ प्रा. कवी नारायण मूर्ती यांनी मांडले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या भाषा तंत्रज्ञान विभागात प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली आहे. कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी ते मुख्य प्रशिक्षक म्हणून बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी प्रकुलगुरु प्रा. चित्तरंजन मिश्र होते. ही कार्यशाळा

कार्यशाळेत मार्गदर्शन करताना मान्यवर व उपस्थित अतिथी.

१५ ते १९ जानेवारीदरम्यान आयोजित आहे. कार्यशाळेत ७० हून अधिक प्रतिनिधी सहभागी झाले आहेत. प्रा. मूर्ती म्हणाले, माहिती तंत्रज्ञानाचा वापर करत अधिकाधिक लोकापर्यंत पोहचणे आवश्यक आहे. भारतात १६०० भाषा अस्तित्वात आहेत. आमचे भविष्य बोलींवर आधारित असेल, परंतु भाषांचे अस्तित्व राखण्यासाठी तंत्रज्ञानाची मदत आवश्यक आहे. प्रा. मिश्र म्हणाले, भाषांचे भविष्य नव्या तंत्रज्ञानाच्या वापरावर विसंबून आहे. भारत सरकारच्या डिजिटल भारत, ई-गवर्नस या महत्त्वाकांक्षी योजना अमलात आणण्यासाठी तंत्रज्ञानाची कास धरण्याची गरज व्यक्त केली.

प्रा. हनुमान प्रसाद शुक्ल म्हणाले, हिंदीसह इतर भारतीय भाषांना तंत्रज्ञानाशी जोडण्याचे काम विद्यापीठाचा भाषा तंत्रज्ञान विभाग करत आहे. उद्घाटन सत्रात राम अनिरुद्ध, शिवैंद्र , डॉ. अनिल कुमार पांडे, जगदीप दागी, डॉ. एच. ए. हुनगुंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे, शैलेश कदम मरजी, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, सुषमा लोखंडे, डॉ. अन्नपूर्णा सी. उपस्थित होते. संचालन आराधना सक्सेना यांनी केले.(शहर प्रतिनिधी)

TheHitavada
SATURDAY ■ January 3 ■ 2015

Hindi Sevi Samman awards given away

MGIHU celebrated its 17th foundation day during which the annual awards were given away

■ District Correspondent
WARDHA, Jan 2

The recipients of 'Hindi Sevi Samman' and other dignitaries during the foundation day programme held in MGIHU, Wardha.

EVERY year the Mahatma Gandhi International Hindi University (MGIHU), Wardha presents 'Hindi Sevi Samman' to persons from non-Hindi background who are working with Hindi language and who have contributed to making the language popular. This year's awards were given away during the foundation day celebrations of the University.

Prof Girishwar Mishra, Vice-chancellor of MGIHU, presented the said awards in a programme held at Acharya Ramachandra Shukla Auditorium of MGIHU. Prof Chittaranjan Mishra, Pro Vice-Chancellor, graced the programme. Prof Damodar Khadse, Dr Sulabha Kore, renowned writer, Dr Chandradeo Kawade, former Head of Hindi Department at Dr Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad, Dr Harish Adyalkar, founder of Lohiya Study Centre, Dr Girish Kashid, renowned Hindi - Marathi writer and Narendra Dandhare of Rashtrabhasha Prachar Samiti, Wardha were honoured with 'Hindi Sevi Samman'.

Dr Anwar Ahmed Siddiqi conducted the proceedings. Prof Rajendra Mundhe, the award winner of 2013, Pradip Date, member of Hindi Sevi Samman, Ranjana Date of Lions Club, Anil Naredi, social activist, lecturers and others attended the programme.

देशोन्नती
गुरूवार, दि. १ जानेवारी २०१५

गौरव...

कुलपती प्रा.गिरीश्वर मिश्र यांच्याहस्ते

हिंदी विद्यापीठाचा हिंदी सेवी सन्मान प्रदान

डॉ. दामोदर खडसे, डॉ. सुलभा कोरे, प्रा. चंद्रदेव कवडे, डॉ. गिरीश काशिद, हरीश अडयाळकर, नरेंद्र दंढारे झाले सन्मानित

प्रतिनिधी/ ३१ डिसेंबर

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाद्वारे विद्यापीठाच्या स्थापना दिनानिमित्त अहिंदी भाषी क्षेत्रात हिंदी भाषेमध्ये कार्य करणाऱ्या व्यक्तींना दरवर्षी दिला जाणारा 'हिंदी सेवी सन्मान' या वर्षी वरिष्ठ हिंदी-मराठी साहित्यिक डॉ. दामोदर खडसे (मुंबई), अनुवादक आणि संवाद लेखिका डॉ. सुलभा कोरे (पुणे), डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद येथे हिंदी विभागाचे माजी विभागप्रमुख प्रो. चंद्रदेव कवडे, सोलापूर विद्यापीठात कार्यरत डॉ. गिरीश काशिद, लोहिया अध्ययन केंद्र, नागपूरचे संस्थापक श्री हरीश अडयाळकर तथा राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचार अधिकारी नरेंद्र दंढारे यांना कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते सोमवार दि. २९ डिसेंबर रोजी प्रदान करण्यात आला.

पुरस्कार स्वरूपात शाल, विद्यापीठाचे स्मृतिचिन्ह आणि प्रशस्ति-पत्र प्रदान करण्यात आले. आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडपात पार पडलेल्या समारंभात प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र प्रामुख्याने उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले. यावेळी २०१३ मध्ये हिंदी सेवी सन्मान प्राप्त प्रा.राजेंद्र मुंढे, हिंदी सेवी सन्मान समितीचे सदस्य प्रदीप दाते, लॉयन्स क्लबच्या रंजना दाते, समाजसेवी अनिल नरेडी, विद्यापीठाचे अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि गणमान्य नागरिक उपस्थित होते.

देशोन्नती
गुरुवार, दि.२९ जानेवारी २०१५

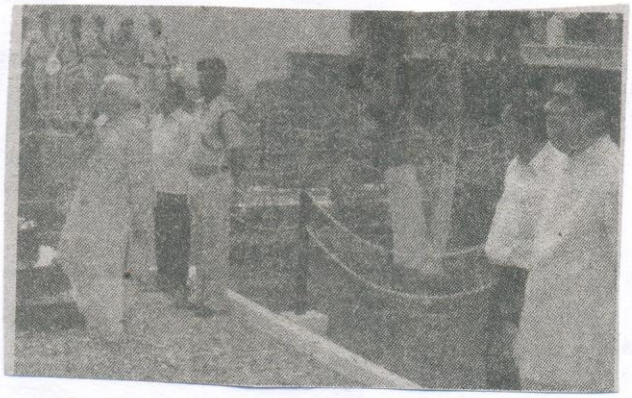

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांच्यावरील सुविख्यात निर्देशक एटिनबरो द्वारा निर्देशित 'गांधी' हा चित्रपट दाखविण्यात आला. यावेळी विद्यार्थ्यांनी देशभक्तिपर गीत आणि नृत्य सादर केले.

आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मजबूत प्रजासत्ताक हीच आमची शक्ती होय. भारतीय राज्यघटना हा आमचा मंत्र होय. विकासासाठी आम्हाला अधिक कटिबद्ध होण्याची गरज आहे, असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. प्रजासत्ताक दिनाचा समारंभ विद्यापीठाच्या मुख्य प्रशासनिक भवनाच्या प्रागंणात घेण्यात आला. यावेळी कुलगुरूंच्याहस्ते ध्वजारोहण करण्यात आले.

कार्यक्रमाला अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. प्रा.मिश्र म्हणाले, स्वातंत्र्यानंतर देशाला चालविण्यासाठी संविधानाची आवश्यकता होती. संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांनी कठीण परीश्रम घेवून संविधान तयार केले. संविधान हा आमचा मंत्र आहे आणि याचनुसार देश संचलित होत आहे. यावेळी कुलसचिव व वित्त अधिकारी संजय गवई, कुलानुशासक प्रा. सूरज पालीवाल, विद्यापीठाचे अधिष्ठाता, विभाग प्रमुख, केंद्रनिदेशक प्रामुख्याने उपस्थित होते. ध्वजारोहण समारंभानंतर हबीब तनवीर सभागृहात

देशोन्नती
रविवार दि. २५ जानेवारी २०१५

हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सव

प्रतिनिधी / २४ जानेवारी

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सवात क्रिकेटच्या अंतिम सामन्यात गांधी एकादश चमुने परिसर विकास एकादशला मात देवून विजय प्राप्त केला.

मेजर ध्यानचंद क्रीडांगणावर क्रिकेटचा अंतिम सामना खेळला गेला. यात गांधी एकादशने १६ षटकांच्या सामन्यात ९६ धावांचे लक्ष्य गाठून १२ ओव्हर मध्येच विजय पटकाविला. गांधी एकादशचे नेतृत्व् पंकज पाटिल यांनी केले तर परिसर विकास एकादशचे नेतृत्व राजीव पाठक यांनी केले. गांधी एकादश चमुत कर्णधार पंकज पाटिल, विजय यादव, सचिन कुंभलवार, पुष्कर सिंह, भूषण साळवे, मनोज ठाकुर, अजयप्रताप सिंह, रामप्रसाद कुमरे, वेद प्रकाश, आलोक श्रीवास्तवव, वैभव सुशील, बी. पी. सिंह तथा सुधीर ठाकुर यांचा समावेश होता. परिसर विकासच्या चमूत कर्णधार राजीव पाठक, सत्यम अधिकारी, राजू पवार, विवेक तडस, अनिकेत गहुकार, अमित गायकवाड, जावेद बेग, नौशाद, अमोल आड़े, गिरीश ठवकर तथा सुधीर यांचा समावेश होता. १६ षटकांच्या सामन्याचा प्रारंभ प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांच्या हस्ते करण्यात आला. कुलगुरु मिश्र यांच्याद्वारे सचिन कुंभलवारला मॅन ऑफ द मॅचचा तर जावेद बेग याला मॅन ऑफ द सिरीजचा पुरस्कार देण्यात आला. यावेळी क्रीडा समितीचे अध्यक्ष प्रो. विजय कौल, शिक्षक संघाचे अध्यक्ष धरवेश कठेरिया, विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह उपस्थित होते.

वार्षिक क्रीडा महोत्सव

वर्धा : महात्मा गांधी आंतराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सव क्रिकेटच्या सामन्यात गांधी एकदश चमूने विजय प्राप्त केला. मेजर ध्यानचद क्रीडांगणावर हा सामना खेळला गेला. सामन्यामध्ये पंकज पाटील, राजू पाठक, विजय यादव, सचिन कुंभलवार, पुष्कर सिंह, भूषण साळवे, मनोज ठाकूर, अजय प्रताप सिंह, रामप्रसाद कुमरे,

तरुण भारत
रविवार, २५ जानेवारी २०१५

महत्त्वाचे

वार्षिक क्रीडा महोत्सव

वर्धा : महात्मा गांधी आंतराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात वार्षिक क्रीडा महोत्सवात क्रिकेटच्या सामन्यात गांधी एकदश चमूने विजय प्राप्त केला. मेजर ध्यानचंद क्रीडांगणावर हा सामना खेळविला गेला. सामन्यामध्ये पंकज पाटील, राजू पाठक, विजय यादव, सचिन कुंभलवार, पुष्कर सिंह, भूषण साळवे, मनोज ठाकूर, अजय प्रताप सिंह, रामप्रसाद कुमरे, वेदप्रकाश, आलोक श्रीवास्तव, वैभव सुशील, बी.पी. सिंह यांनी

वैचारिक क्रांतीचा अग्रदूत
देशोन्नती
शुक्रवार, दि. २३ जानेवारी २०१५

कार्यशाळा..

कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांचे प्रतिपादन

समाज कल्याणासाठी व्हावे संशोधन

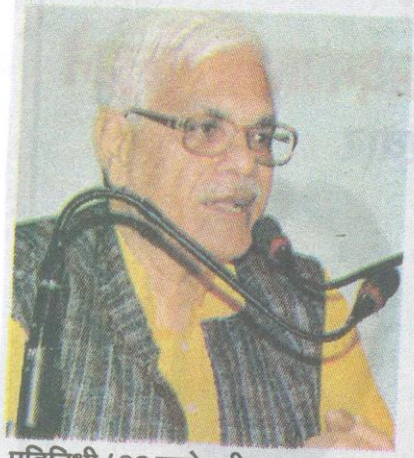

प्रतिनिधी / २२ जानेवारी

वर्धा : संशोधनाच्या माध्यमातून नवा विचार पुढे आला पाहिजे आणि परिवर्तनाच्या दिशा विस्तृत झाल्या पाहिजे. संशोधनाचा लाभ समाज कल्यातणासाठी झाला पाहिजे असे प्रतिपादन कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्लीच्या वतीने १० ते १९ जानेवारी दरम्यान समाज शास्त्रात संशोधन विषयावर कार्यशाळा घेण्यात आली. सोमवारी कार्यशाळेचा समारोप झाला. याप्रसंगी ते मार्गदर्शन करताना बोलत होते.

यावेळी प्रमुख अतिथी म्हणून दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थेचे सल्लागार तथा एमसीआयच्या अकादमिक समितीचे अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्र, मुंबई विद्यापीठातील समाजशास्त्र विभागाचे प्रो. पी. जी. जोगदंड, प्रकुलगुरु प्रो. चित्तारंजन मिश्र तसेच महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक तथा अभ्यसक्रम निदेशक प्रो. मनोज कुमार उपस्थित होते.

कार्यशाळेत १३ राज्यांमधील २० विद्यापीठांचे विद्यार्थी उपस्थित झाले होते. समारोपात प्रो. गिरीश्वळर मिश्र, प्रो. वेद प्रकाश मिश्र तथा प्रो. चित्त रंजन मिश्र यांच्या द्वारा प्रमाण पत्र देण्यात आले.

प्रो. वेद प्रकाश मिश्र म्होणाले, गुणवत्ता पूर्ण संशोधनाकरिता त्याला आपल्या व्यवसायाचा एक भाग बनविले पाहिजे. प्रो. पी. जी. जोगदंड म्हणाले, समाज शास्त्रातील संशोधनातून समाजोपयोगी कार्य झाले पाहिजे.

ज्ञान अद्ययावत करण्यासाठी कार्यशाळांची आवश्योकता असते असेही त्यांनी सूचविले.

स्वागत वक्तव्य प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी दिले.विवेक जागृतीचे काम करण्यासाठी शोधकत्यांसाठी कार्यशाळा घेतल्या पाहिजेत असे मत त्यांनी मांडले. सहायक प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी यांनी कार्यशाळेचा अहवाल प्रस्तुत केला.

संचालन अभ्यासक्रम संयोजक डॉ. मिथिलेश यांनी केले. यावेळी प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. विजय कौल, डॉ. रामानुज अस्थीना, बी. एस. मिरगे यांच्यासह विद्यार्थी मोठया संख्येनते हजर होते.

देशोन्नती
गुरूवार दि. २२ जानेवारी २०१५

जात्यावरची ओवी...

वर्धा-जिल्ह्यातील खैरी येथे श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ नामसंकिर्तन सप्ताहाचे आयोजन करण्यात आले होते. समारोपीय कार्यक्रमात महाराष्ट्रीय संस्कृतीचे दर्शन घडविण्यात आले. पारंपारीक जात्यावरची ओवी सादर करताना लहानगी.

शुक्रवार, दि. १६ जानेवारी २०१५

देशोन्नती

माहिती...

हिंदी विद्यापीठात समाज विज्ञानात शोध पद्धतीवर कार्यशाळा

सभ्यता पुढे तर संस्कृती मागे जात आहे: डॉ.विजय धारुरकर

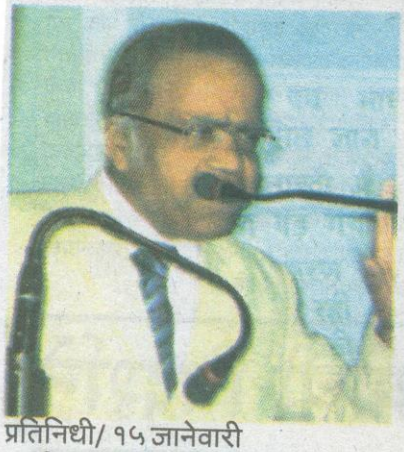

प्रतिनिधी/ १५ जानेवारी

वर्धा : वर्तमान काळात आम्ही विकासाच्या पाश्चिमात्य प्रतिमानाच्या सिद्धांतांना अधिक महत्व देत आहोत, यामुळे सभ्यता पुढे तर संस्कृती मागे जात आहे. असे मत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद येथील लिबरल आर्टस विभागाचे निदेशक आणि जनसंवाद विषयाचे गाढे अभ्यासक डॉ. विजय धारुरकर यांनी मांडले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात समाजशास्त्रात शोध पद्धतीवर आयोजित कार्यशाळेत बुधवारी संचार माध्यम आणि शोध पद्धती या विषयावर ते बोलत होते.

डॉ. धारुरकर यांनी संचार माध्यमांमध्ये चार प्रकारच्या शोध पद्धतींची चर्चा आपल्या व्याख्यानात केली.

ते पुढे म्हणाले की, माध्यम, समाज, संस्कृती आणि संदेश केंद्रित अध्ययनाच्या माध्यमातून मीडियामध्ये शोध करता येतो.

प्रसार माध्यमांची संख्यात्मक वृद्धी यावर ते म्हणाले की स्वातंत्र्यापूर्वी गावांशी संबंधित बातम्यांना एक टक्क्यांपेक्षाहीकमी जागा मिळत असे आज ते प्रमाण ५ टक्यांपर्यंत गेले आहे.

अर्थात, मधल्या काळात प्रसार माध्यमांमध्ये संख्यात्मक वाढ मोठया प्रमाणावर झाली असली तरी ती वाढ गुणात्मक विकासाकडे परिवर्तीत झाली की नाही याचा शोध घेणे आज गरजेचे आहे.

भारताच्या दृष्टीने माध्यमांनी ग्लोबलाईजेशन ऐवजी ह्युमनाईजेशन वर अधिक लक्ष द्यावे असेही त्यांनी मार्गदर्शन करताना सांगितले. कार्यक्रमाचे संचालन मिथिलेश यांनी केले.

यावेळी महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांती अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. मनोज कुमार, डॉ. शंभू जोशी, बी. एस. मिरगे आदींसह प्राध्यापकवर्ग व विद्यार्थ्यांची मोठ्या प्रमाणात उपस्थिती होती. यावेळी प्राध्यापकांनी आपले विचार व्यक्त केले.

देशोन्नती
बुधवार, दि. १४ जानेवारी २०१५

क्रीडा महोत्सवाचे उद्घाटन.....

वर्धा : हिंदी विश्वविद्यालयामध्ये क्रीडा महोत्सवाचे औपचारिक उद्घाटन क्रिकेट स्पर्धेने झाले. यामध्ये कुलपती यांनी बॅटिंग करुन आणि प्रतीकुलपती यांनी बॉलिंग करून क्रीडा महोत्सवाचे उद्घाटन केले.

देशोन्नती
रविवार, दि.११ जानेवारी २०१५

कार्यक्रम...

हिंदी विद्यापिठातबापू और आज का समय विषयावर मार्गदर्शन

गांधीजींचे विचार कृतीत आणा : कुलगूरू प्रा.मिश्र

प्रतिनिधी/ १० जानेवारी

वर्धा : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कर्माने माणसांना जोडत असत. त्यांच्या शब्दकोशात माणसांच्या एकूणच परिवर्तनाची चर्चा दिसते. आजच्या परिस्थितीत त्यांचे विचार आम्हाला कृतीत आणून खरे परिवर्तन करण्याची गरज आहे, असे प्रतिपादन कुलगुरु प्रा.गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात महात्मा गांधी यांच्या दक्षिण आफ्रीकेहून भारतात परतण्याला शंभर वर्ष पूर्ण झाल्यानिमित्त ९ तारखेला 'बापू और आज का समय' या विषयावर परिचर्चा आयोजित करण्यात आली. त्यावेळी कार्यक्रमाचे अध्यक्ष म्हणून ते बोलत होते.परिचर्चेत प्रकुलगुरु प्रा.चित्तरंजन मिश्र,प्रा.मनोज कुमार, डॉ.नृपेंद्र प्रसाद मोदी,प्रा.अरविंद कुमार झा,डॉ. मनोज कुमार राय, डॉ. धरवेश कठेरिया तथा शंभू जोशी यांनी विचार मांडले. कुलगुरू प्रा.मिश्र यांनी 'गांधी विचार मंच'स्थापन करण्याचा सल्ला दिला तसेच विद्यार्थ्यांमध्ये गांधी विचारांचे बीजारोपण करण्यासाठी अभ्यासक्रमात तशी व्यवस्था करण्यासाठी कार्य करावे, असे सांगितले. गांधी आणि हिंदीचे नाते स्पष्ट करताना ते म्हणाले की, गांधीजींनी संपर्क भाषा म्हणून हिंदीचा वापर केला होता.प्रारंभी विद्यार्थ्यांनी वैष्णव जन तो.... भजन सादर केले. कार्यक्रमाचे संचालन नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष प्रा. सुरेश शर्मा यांनी केले तर आभार डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंग यांनी मानले. यावेळी गांधीजींच्या जीवन-कार्यावर आधारित विठ्ठल भाई झवेरी यांचा चित्रपट दाखविण्यात आला. कार्यक्रमाला अध्यापक, अधिकारी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी निधी गौड, धर्मेंद्र शंभरकर यांनी सहकार्य केले.

देशोन्नती
गुरुवार, दि.८ जानेवारी २०१५

गुजरातेतील कलाकारांचा हिंदी विद्यापीठात नृत्याविष्कार

पारंपरिक वाद्य आणि वेशभूषेचा केला वापर

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या सभागृहात गुजरातेतून आलेल्या कलाकारांनी पारंपरिक नृत्य सादर केले.

प्रतिनिधी / ७ जानेवारी

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या सभागृहात आयोजित समारंभात गुजरातेतून आलेल्या कलाकारांनी पारंपरिक वेशभूषेत तसेच पारंपरिक वाद्याच्या गजरात विविध नृत्य सादर केले. या नृत्यातील सिद्धी धमाल नृत्यासह विविध नृत्यप्रकाराला उपस्थितांनी दाद दिली. साजीद सिदी, मुखत्यार सिदी, तोसिफ सिदी, अयुब सिदी, इम्रान सिदी, मोहसीन सिदी, शाहरूख सिदी, सिराज सिदी आदी कलाकारांचा या कार्यक्रमात सहभाग होता. हिंदी विद्यापीठाच्या स्थापनादिनानिमित्त हा जुनागड येथून हे कलाकार आले होते. त्याचसोबत संपन्न परंपरेचा वारसा या कार्यक्रम आयोजित केला होता. लयतालावरील कमालीचे प्रभूत्व नृत्यातून प्रगट झाला.

देशोन्नती
मंगळवार, दि.६ जानेवारी २०१५

विकासात्मक..

हिंदी विद्यापीठात मंथन कार्यक्रमाचे आयोजन

विद्यापीठाच्या विकास यात्रेत आम्ही सर्व सोबत आहोत..

प्रतिनिधी/ ५ जानेवारी.

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्ताने ३१ डिसेंबर रोजी आयोजित 'मंथन : स्वचप्न् आणि वास्तव' कार्यक्रमात वक्तयनी विद्यापीठाच्या गेल्या १७ वर्षांचा मागोवा घेत यापुढील विकासयात्रेत आम्ही सोबत आहोत असा दृढ विश्वास व्यक्त केला. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र होते. यावेळी वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, गोरखपूर विद्यापीठाचे प्रो. महेश्वर मिश्र, वर्धेतील जय महाकाली शिक्षण संस्थेचे अध्यक्ष शंकरप्रसाद अग्निहोत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समितीचे प्रचारमंत्री व विद्यापीठाचे माजी ओएसडी डॉ. हेमचंद्र वैद्य, अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडळाचे तसेच दाते स्मृती संस्थेचे अध्यक्ष प्रदीप दाते, लायन्स क्लबचे अनिल नरेडी, गांधी विचार परिषदेचे निदेशक भरत महोदय, विद्यापीठातील साहित्य विभागाचे डॉ. रामानुज आस्थापना इत्यादींनी विद्यापीठाच्या बहुमुखी विकासाची प्रशंसा करतं पुढील मार्ग प्रशस्तच करण्यासाठी महत्वाच्या सूचनाही केल्या. यावेळी प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र, वरिष्ठ साहित्यिक प्रो. सरजू प्रसाद मिश्र यांची विशेष उपस्थिती होती. कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक मंथनचे संयोजक प्रो. अनिलकुमार राय यांनी केले तर भूमिका जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी मांडली.

प्रो. मनोज कुमार म्हणाले, विद्यापीठ हे उन्मुक्त लोकतांत्रिक विचाराच्या प्रचार-प्रसाराचे केंद्र झाले पाहीजे. प्रो. महेश्वर मिश्र म्हणाले, ज्ञानाच्या विस्तारासाठी हिंदी ही सक्षम भाषा आहे.

कापरिट स्थानिक भाषेशिवाय आपल्या वस्तु विकू शकत नाहीत त्यासाठी आम्हाला इतर भारतीय भाषांचाही विस्तार केला पाहिजे. डॉ. हेमचंद्र वैद्य यांनी पर्यायांचा शोध घेण्यासाठी हे विद्यापीठ स्थापन झाले पाहिजे, असे सांगत आम्हाला भौतिक संसाधनांबरोबरच अकादमिक विकासावर लक्ष दिले पाहिजे, अशी सूचना केली. प्रदीप दाते यांनी महात्मा गांधीजींच्या बुनियादी शिक्षणाच्या पायावर. विद्यापीठाने अभ्यासक्रम आखले पाहिजे, अशी सूचना केली.

दाते यांनी आधीच्या तीन कुलगुरुंसोबत राहिलेल्या सौहार्दपूर्ण संबंधांची आठवण करत सांगितले की, प्रारंभिच्या संघर्षाच्या काळात आम्ही विद्यापीठाच्या बाजुने उभे राहिलो आणि त्यांचा परिपाक म्हणून हे विद्यापीठ आज वर्धेचाच नव्हे तर राज्याचा गौरव वाढवित आहे. विद्यापीठ महाराष्ट्राचे साहित्य, कला आणि लोकसंस्कृतीलाही तितकेच प्राधान्य देते असेही ते म्हणाले. भरत महोदय म्हणाले आम्हा विद्यापीठाच्या आसपासचे वातावरण पाहून त्या दिशेने कार्य केले पाहिजे. ज्ञान मिळविण्यासाठी जेथे-जेथे ज्ञान प्राप्तीचे स्रोत आहेत तेथून आम्हाला ते घेतले पाहिजे. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री म्हणाले की, विद्यापीठ गांधीजींची कर्मभूमी वर्धेत झाले पाहिजे यासाठी आम्ही २५ वर्षांआधी संघर्ष केला.

तत्कालीन केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्री यांच्यासोबत चर्चा केली आणि हे विद्यापीठ वर्धेतच का याविषयी अनेक तर्क त्यांच्यापुढे ठेवले. गांधीजींनी वर्धेला भारताचे नाभी केंद्र संबोधले होते आणि आज हे विद्यापीठ वर्धेत उभे राहीले अर्थात गांधीजींचे एक स्वप्न यानिमित्ताने पूर्णत्वास आले आहे, असेही ते म्हणाले. विद्यापीठाने भारतातील हिंदी शिक्षण संस्थाकरिता अभ्यासक्रम तयार करण्याची जबाबदारी घेतली पाहिजे, अशी मौलिक सूचनाही अग्निहोत्री यांनी आपल्या वक्तव्यातून केली.

मंगळवार दि.६ जानेवारी २०१५

देशोन्नती

थोडक्यात

वर्धा : स्थानिक महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्ताने आरोग्य आणि रक्तनदान शिबिराचे आयोजन करण्यात आले.या रक्तदान शिबिरात मोठ्या संख्येने युवकांनी सहभाग नोंदविला.

हिंदी विद्यापीठात रक्ततदान शिबिराचे आयोजन

प्रतिनिधी/ ५ जानेवारी

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यपीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्ताने आरोग्य आणि रक्तदान शिबिराचे आयोजन करण्यात आले. या विद्यापीठातील कर्मचारी आणि त्यांच्या कुटुंबीयांनी तसेच विद्यार्थ्यांनी प्रतिसाद देत आरोग्य तपासणी करून स्वच्छेने रक्तदान केले. रक्तदान करणाऱ्यांमध्ये डॉ. रवींद्र बोरकर, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, चिराग निनावे, योगेश भस्मे, अमोल आडे, विवेकानंद राय, अश्विन श्रीवास, विजयकरन,स्नेहल तडस, शैलेंद्र प्रजापती, कृष्ण कुमार यादव यांचा समावेश होता. आरोग्य आणि रतदान शिबिराचे उदघाटन कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले.यावेळी प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र, जिल्हा पोलिस उपअधीक्षक आर.जी.किल्लेकर, अनुवाद आणि निर्वाचन विभागाचे अध्यक्ष प्रो.देवराज,राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ.अनवर अहमद सिद्दीकी,सहसंयोजक बी.एस. मिरगे,डॉ.सुप्रिया पाठक,अनिल नरेडी,अख्तर कुरेशी प्रामुख्याने उपस्थित होते.शिबिरात संस्थेचे डॉ.दीपक गुप्ता,सुरेंद्र बेलुरकर, तृप्ती थूल,डॉ.देवश्री धांडे,किशोर बालपांडे, जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण गावंडे, संघरक्षित मून, कांचन उके यांनी सहकार्य केले.

85
109

देशोन्नती
शुक्रवार दि. २ जानेवारी २०१५

हिंदी विद्यापीठात 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रम

भारत सरकारच्या गीत आणि नाटक विभागाच्या कलाकारांचा उपक्रम

प्रतिनिधी/ १ जानेवारी

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाच्या १७ व्या स्थापना दिनानिमित्ताने गीत आणि नाटक विभाग, माहिती आणि प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारच्या पश्चिम क्षेत्र पुणेच्या कलाकारांनी मंगळवारी 'महाराष्ट्राचा लोकरंग' कार्यक्रम सादर केला. या कार्यक्रमात कलाकारांनी महाराष्ट्राच्या' विविध लोककलांचे सादरीकरण केले. कलाकारांनी गण, गौळण, मावशी, भारूड, गोंधळ, अभंग, वाघ्या मुरळी, वासुदेव इत्यादी लोककलांचे दर्शन आपल्या अभिनय आणि नृत्यांच्या माध्यमातून घडविले. गीत आणि नाटक विभागाचे उप-निदेशक ध्रुव अवस्थी आणि व्यवस्थापक किरणकुमार भुजबळ यांच्या दिशानिर्देशनात २० हून अधिक कलाकारांचा जत्था विद्यापीठात दाखल झाला होता. पथक प्रमुख संध्या लोंढे व पंकज दाभाडे यांच्या नेतृत्वात हे कलाकार आपल्या कलांचे दर्शन घडवित असतात. कार्यक्रमाची सुरूवात गणपती गजवदना गौरीच्या नंदना या गिताने झाली. यानंतर 'खंडेरायाच्या लग्नाला, वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरी, वाजले की बारा... इत्यादी गीत आणि नृत्यांची बहारदार पेशकश करीत कलाकारांनी उपस्थित श्रोत्यांना जवळपास तीन तास बांधून ठेवले. संवादाची दिलफेक प्रस्तुती आणि हास्ययविनोदाने उपस्थित मुग्ध झाले होते. एकाहून एक सरस अशा लावण्या सादर करून त्यांनी उपस्थितांना ठेका धरण्यास बाध्य केले. आपल्या कलेतून त्यांनी स्वच्छ भारत अभियान, घरकुल योजना, प्रौढ शिक्षण, दारुबंदी आणि व्यसनमुक्तीचा संदेशही दिला. हे कलाकार परभणी, नांदेड, सातारा, मिरज येथून आले होते. गीत आणि नाटक विभाग हा भारत सरकारच्या माहिती आणि प्रसारण मंत्रालयाचा एक महत्वाचा विभाग आहे. या राज्यात जावून कलाकार लोकांमध्ये लोककलांचे बीजारोपण तर करतातच शिवाय अंधश्रद्धा आणि अनिष्ठा प्रथा नष्ट करण्यासाठी लोकांमध्ये जागरूकता निर्माण करतात. एकूणच समाजाला मुख्यत प्रवाहात आणण्यासाठीचे विधायक कार्य ते लोककलांच्या माध्यमातून करत असतात.

विद्यापीठात अशा प्रकारचा महाराष्ट्राच्या लोककलांची ओळख करवून देणारा लोकरंग कार्यक्रम पहिल्यांदा सादर करण्यात आला. यावेळी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी कलाकारांचे स्वागत करून त्यांना प्रमाणपत्र दिले. संचालन प्रो. सुरेश शर्मा यांनी केले. नाट्यकला विभागाचे डॉ. सतीश पावडे आणि जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांच्या विशेष प्रयत्नातून हा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता.

थोडक्यात

वर्धा : येथील हिंदी विश्वविद्यालयामध्ये फुड फेस्टिवलचे उद्घाटन कुलपती प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांच्याहस्ते पार पडले. या फुड फेस्टीवलचा मोठ्या प्रमाणात नागरीकांनी आस्वाद घेतला.

थोडक्यात

वर्धा : स्थानिक हिंदी विश्वविद्यालयामध्ये सांस्कृतिक कार्यक्रम सुरू आहेत. या दरम्यान महाराष्ट्राचा लोकरंग कार्यक्रम सादर करताना कलाकार.

दैनिक भास्कर

गुरुवार 1 जनवरी 2015

वर्धा के गोविंदराम सेक्सरिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने जीती ट्राफी

ब्यूरो | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन आचार्य रामचंद्र शुक्ल सभामंडप में मंगलवार को किया गया। प्रतियोगिता का विषय था कश्मीर एंव उत्तर पूर्व से आफ्स्पा (आर्म फोर्स स्पेशल पावर एक्ट) हटाना वहां के लोगों के हित में है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में अपनी बात रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की । प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा डिबेटिंग सोसाइटी की संयोजक अर्बातिका शुक्ला मंचासीन थे। जिला पुलिस उपाधीक्षक (गृह) आर. जी. किल्लेकर, प्रोद्योगिक अध्ययन केंद्र के निदेशक विजय कौल, स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. सुप्रिया पाठक, सहायक कुलसचिव ज्योतिष पायेंग परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे। इस वर्ष की सरोजिनी नायडू ट्राफी गोविंदराम सेक्सरिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स वर्धा के श्यामसुंदर संवाग ओर स्वप्नील पेठे ने जीती। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार संचार एंव मीडिया अध्ययन केंद्र का छात्र अविनाश त्रिपाठी को तृतीय पुरस्कार स्त्री अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी आरती कुमारी को तथा सांत्वना पुरस्कार संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र का छात्र दक्षम द्विवेदी को प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में मुकेश कुमार जायस्वाल, कृष्ण मोहन रजनीश, कुमार त्रिपाठी, नै पक्ष ओर विपक्ष में अपनी बातें रखी।

शनिवार. 31 जनवरी 2015

दैनिक भास्कर

प्रिंट मीडिया में आज भी पत्रकारिता के मूल गुण:अशोक मिश्र

ब्यूरो | वर्धा.

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भले ही तीव्र गति से जनता के बीच संदेश पहुंचाकर अपना प्रभाव बना लेती है। लेकिन प्रिंट मीडिया में आज भी पत्रकारिता के मूल गुण विद्यमान है। उक्त बाते बहुवचन के सपांदक अशोक मिश्र ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने मनोद्गार व्यक्त करते हुए संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के विभागीय पुस्तकालय एवं वाचनालय सभागृह में कही। मौका था पहले मुद्रित अखबार हिकी गजट के स्मरण दिवस का । आज से लगभग 235 वर्ष पहले 29 जनवरी, सन 1780 में हिकी गजट का प्रकाशन हुआ था। परिचर्चा का विषय था 'हिकी गजट : भारत में मुद्रित पत्रकारिता का उदय ' मिश्र ने कहा कि जेम्स आगस्टस हिकी ने समाज को अभिव्यक्ती के लिए एक मंच उपलब्ध करवाने की पहल की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संचार एंव मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार रॉय ने मुद्रीत माध्यमों का स्वतंत्रता प्राप्ति में योगदान पर जानकारी देकर वर्तमान पत्रकारिता के बारे में कहा कि पत्रकारिता के स्वरूप में दिन-ब-दिन परिवर्तन हो रहा है। निरंतर हो रहे ऱ्हास के बावजूद आज भी कुछ लोग पत्रकारिता के माध्यम से समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का वहन कर रहे है। कार्यक्रम का संचालन कर रहें केंद्र के सहायक प्रोफेसर डा. अख्तर आलम ने हिकी गजट के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए कहा कि इस अखबार में 'संपादक के नाम पत्र' की शुरूआत से समाज में पत्रकारिता की शुरूआत हो गयी थी। हिकी के अखबार के माध्यम से लोगों में संदेश गया कि सम्प्रेषण का यह माध्यम बहुत ही प्रबल है। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के पीएचडी शोधार्थी रामशंकर ने किया। इस अवसर पर केंद्र के सभी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार. 30 जनवरी 2015

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में कार्यक्रम

मंच विन्यास सिर्फ कला नहीं विज्ञान भी : प्रो. शर्मा

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में तीन दिवसीय मंच विन्यासन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटक व विभाग अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा ने कहा कि मंच विन्यास कला के साथ विज्ञान भी है। बदलते समय में मंच विन्याय की परिकल्पना

भी बदल रही है। इसका संज्ञान लेकर नाट्यकला का अभयास होना चाहिए। सर्जनशीलता के साथ इस कला में प्रयोग करना भी जरूरी है। डा. सतीश पावड़े ने इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन पर जोर दिया। साथ ही विद्यार्थियों से कार्यशाला का लाभ लेने का आह्वान किया।

संचालक प्राध्यापक कैलाश पुपुलवाड़ (औरंगाबाद) ने मंच विन्यास की परिकल्पना, उसकी सैद्धांतिक तथा परियोजनात्मक कार्य पर प्रशिक्षण दिया। संयोजन नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सतीश पावड़े ने किया।

दैनिक भास्कर
सोमवार 26 जनवरी 2015

गणतंत्र दिवस पर रन फॉर रिपब्लिक का आयोजन

कुलपति मिश्र करेंगे ध्वजारोहण

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ध्वजारोहण करेंगे। प्रारंभ में कुलपति प्रो. मिश्र गांधी हिल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन करेंगे। वे प्रशासनिक भवन के सामने सुबह सवा 8 बजे ध्वजारोहण करेंगे। ध्वजारोहण समारोह में सभी को उपस्थित होने का आह्वान कुलसचिव संजय गवई ने किया है। इस उपलक्ष्य में विवि के शिक्षक संघ के तत्वावधान में गणतंत्र की दौड़ रन फॉर रिपब्लिक का आयोजन प्रातः 6 बजे मुख्य द्वार से किया जाएगा। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र इसे प्रारंभ करेंगे। इस दौड़ में समस्त छात्र-छात्राएं, शोधार्थी, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को शामिल होने की अपील अध्यक्ष डा. धरवेश कठेरिया एवं महासचिव डा. राकेश मिश्र ने की है।

नवभारत
26 जनवरी, 2015

आज मनाया जायेगा गणतंत्र दिवस

हिंदी विवि

वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के हाथों प्रशासनिक भवन के सामने सुबह 8.15 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा. विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के तत्वावधान में गणतंत्र के दौड़ 'रन फॉर रिपब्लिक' का आयोजन प्रातः 6 बजे मुख्य द्वार से किया जाएगा.

दैनिक भास्कर

रविवार, 25 जनवरी 2015,

हिंदी विवि में सड़क सुरक्षा सप्ताह

सुरक्षित जीवन के लिए नियमों का पालन हो : मिश्र

जिला प्रतिनिधि. वर्धा.

सुरक्षित जीवन के लिए यातायात से संबंधित नियमों का पालन जरूरी है। वाहन चलाते समय गति और भावनाओं पर भी नियंत्रण आवश्यक है। यह बात कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कही। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में शुक्रवार को विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, जिला पुलिस मुख्यालय, यातायात विभाग, लॉयन्स क्लब गांधी सिटी के संयुक्त तत्वावधान में सडक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर कुलसचिव संजय गवई, अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज, जिला पुलिस उप-अधीक्षक आर.जी. किल्लेकर, यातायात विभाग के पुलिस निरीक्षक विलास काले, लॉयन्स क्लब गांधी सिटी के अनिल नरेडी, महर्षी विद्या मंदिर के प्राचार्य उमेश कुमार सेंगर, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी.एस. मिरगे, डा. सुप्रिया पाठक, आरती ढोमणे, कुरेशी मिलींद पाटील, यातायात विभाग के खडतकर आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में यातायात पुलिस निरीक्षक विलास काले ने यातायात संबंधी प्रतीको को बताते हुए पॉवर प्वॉइट के माध्य से अपनी बात रखी। इस उपलक्ष्य में विश्व शांती दिवस की पूर्व संध्या पर उमेश कुमार सेंगर ने समाज में शांति स्थापित करने हेतु किए जानेवाले प्रयासों की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डा. सिद्दीकी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन बी.एस. मिरगे ने प्रस्तुत किया। वे राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राएं, पुलिस विभाग के यातायात विभाग के कर्मी बडी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

शनिवार, 24 जनवरी, 2015

भाषा संरक्षण के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरूरी : कुलपति प्रो. मिश्र

ब्यूरो | वर्धा.

भाषाओं को संरक्षित करने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल जरुरी है और इसके लिए प्रौद्योगिकी के बारे में साक्षरता भी महत्वपूर्ण है। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला के समापन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल मंचासिन थे। समापन सत्र में कुलपति तथा प्रतिकुलपति द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह कार्यशाला भाषा विद्यापीठ में 15-19 जनवरी तक आयोजित की गई थी। कार्यशाला में भारत सरकार के डिजिटर भारत, ई-गवर्नस आदि महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में चर्चा की गई। हैद्राबाद केंद्रीय विवि के प्रोफेसर तथा सुविख्यात भाषा विज्ञानी प्रो.कवि नारायण मूति ने भाषा और प्रौद्योगिकी के संबंध में प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा कार्यशाला के विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। कार्यशाला में हैद्राबाद केंद्रीय विवि के शोधार्थी राम अनिरुद्ध, शिवेंद्र बाबू, विभाग के अध्यापक, डा. अनिल कुमार पाण्डेय, जगदीप दांगी, डा. एच.ए. हुनगुंद, डा. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डा. धनंजी प्रसाद, आराधना सक्सेना आदि के साथ 70 से अधिक प्रतिभागी एवं शोधार्थी सहभागी हुए। कार्यशाला के दौरान भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. धनजी प्रसाद द्वारा हिंदी के तकनीकी संसाधन से संबंधित दस सॉफ्टवेअरो का प्रस्तुतिकरण किया गया, जो हिंदी पाठ में वर्तनी परिक्षण, शब्द विश्लेषण, शब्दरुप निर्माण, कार्पस आधारित विश्लेषण, टैगिंग एवं कोश निर्माण संबंधी कार्य करते है।

शनिवार, 24 जनवरी, 2015

दैनिक भास्कर

अक्षर आधारित भाषा की पहचान पर परिचर्चा

ब्यूरो | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राकृतिक भाषा संसाधन विषय पर आयोजित कार्यशाला में हैद्राबाद केंद्रीय विवि के कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति ने अक्षर आधारित भाषा की पहचान जिसके अंतर्गत बाइट्स और ग्राम्स और टेक्स्ट वर्गीकरण की अवधारणा को परिभाषित किया। इसके अलावा प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया को लेकर भारत की दृष्टि टेक्स्ट की आवश्यकता उसकी विशेषताएं वर्तनी परीक्षक, टेक्स्ट से वाक्य तथा भाषा प्रौद्योगिकी के लक्ष्य को प्रोफेसर मूर्ति ने बताया। प्रोफेसर मूर्ति ने सरलता पूर्वक प्रतिभागियों के मन में चल रही कई भ्रांतियों को दूर किया।

कम्प्यूटर एंव सूचना विज्ञान विभाग, हैद्राबाद केंद्रीय विवि के शोधार्थी राम अनिरूद्ध ने कार्पस में विश्लेषण पद्धति से प्रतिभागियों का अवगत कराया। भाषा प्राद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. धनजी प्रसाद ने अपने द्वारा विकसित प्रमुख सोफ्टवेयरों को कार्यशाला में प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें वर्तनी परीक्षक रूप विश्लेषांक, खोजी उपकरण, देवनगरी से रोमन परिवर्तक, द्विभाषी शब्दकोश आदि प्रमुख सॉफ्टवेयर थे।

सायंकालीन सत्र में प्रोफेसर मूर्ति ने प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए वाक्य से वाक्य अनुवाद कार्य के विभिन्न आयाम जैसे वाक्य एवं अर्थ संबंधी कार्यक्रम के स्तर पर तथा वर्तनी परीक्षक पर बात करते हुए ऑटो सिस्टम के विषय संबंधित उनकी सीमाओं और समस्याओं का बताया। भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हनुमानप्रसाद शुक्ल ने प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति को सूत की माला एवं स्मृति चिन्ह के रूप में चरखा देकर उनका आभार प्रकट किया।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 23 जनवरी, 2015

समाज विज्ञान में शोध प्रविधि कार्यशाला का समापन

समाजकल्याण के लिए हों मौलिक अनुसंधान : प्रो. मिश्र

ब्यूरो | वर्धा.

शहरवासियों की सोच विकसित होना और परिवर्तन को नई दिशा मिलना जरूरी है। इसके लिए समाज विज्ञान में होने वाले संशोधन (अनुसंधान) का लाभ समाज कल्याण के लिए होना चाहिए। यह विचार कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 10 से 19 जनवरी तक समाज विज्ञान में शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। सोमवार को कार्यशाला के समापन पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति बोल रहे थे। इस अवसर पर अतिथि के रूप में दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान के सलाहकार व एमसीआई की अकादमिक समिति के अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश मिश्र उपस्थित थे। मुंबई विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विभाग के प्रो. पी.जी. जोगदंड, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र तथा महात्मा गांधी फ्यूजी-गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. मनोज कुमार मंचासीन थे। दस दिवसीय कार्यशाला में 13 राज्यों के 20 विश्वविद्यालय के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के पीएचडी शोधार्थियों ने इस कार्यशाला में सहभाग लिया। प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र, प्रो. वेदप्रकाश मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र के द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि सामाजिक अनुसंधान एक जटील समस्या होती है। हर मनुष्य की सोच अलग-अलग होती और ऐसे में उसका अनुसंधान पर भी प्रभाव पड़ता है। हमें शोध को समग्रता में देखना चाहिए और उसे कल्याणकारी बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रो. वेदप्रकाश मिश्र ने विज्ञान और समाज विज्ञान में शोध के अंतर को स्पष्ट करते हुए दोनों की समानताएं व असमानताएं बताईं। उन्होंने कहा कि स्तरीय अनुसंधान के लिए उसे अपने करियर का एक हिस्सा बनना चाहिए। हमें केवल करियर बनाने के लिए यह रिचर्स नहीं करनी चहिए। वक्ता प्रो.पी.जी. जोगदंड ने कहा कि समाज विज्ञान में किए जाने वाले अनुसंधान का उपयोग समाज के लिए हो और ऐसे अनुसंधान में यह एक अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। ज्ञान एक शक्ति है। इसका अनुसंधान के लिए अपडेट होना जरूरी है। स्वागत वक्तव्य प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि ज्ञान अनवरत प्रक्रिया है। शोध प्रविधि जैसी कार्यशाला के माध्यम से विवेक जागरण का काम किया जाता है। कार्यशाला में चित्रलेखा अंशु और प्रतिनिधियों ने मत दिए। सहायक प्रोफेसर डा. शंभू जोशी ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संचालन पाठ्यक्रम संयोजक डा. मिथिलेश ने किया। समारोह में प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. अरविंद कुमार झा, प्रो. विजय कौल, डा. रामानुज अस्थाना, मिरगे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

गुरुवार. 22 जनवरी 2015

डा. पाठ्या विद्याभूषण पुरस्कार से सम्मानित

ब्यूरो|वर्धा. डा. अर्चना पाठ्या को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय से उनके पीएचडी शोध अंतरराष्ट्रीय संघर्ष एवं शांतिमय समाधान की दिशाए अफगानिस्तान के विशेष संदर्भ में उनके अमूल्य बौद्धिक क्षमता के लिए वित्त नियोजन एवं वनमंत्री व पालकमंत्री सुधीर मुनगंटीवार, जय महाकाली शिक्षण संस्था के अध्यक्ष शंकर प्रसाद अग्निहोत्री, अग्निहोत्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा सूत माला, शाल एवं तुलसी का पौधे से स्वागत कर विद्याभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर

मंगलवार, 20 जनवरी 2015

कार्यशाला में सैकड़ों हुए शामिल

ब्यूरो वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा विश्वविद्यालय में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राकृतिक भाषा संसाधन विषय पर आयोजित कार्यशाला में शनिवार को हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति ने अक्षर आधारित भाषा की पहचान जिसके अंतर्गत बाइट्स और ग्राम्स और टेक्स वर्गीकरण की अवधारणा को परिभाषित किया। इसके अलावा प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया को लेकर भारत की दृष्टि, टेक्स्ट की आवश्यकता, उसकी विशेषताएं, वर्तनी परीक्षक, टेक्स्ट से वाक् तथा भाषा प्रौद्योगिकी के लक्ष्य को प्रोफेसर मूर्ति ने बताया।

प्रोफेसर मूर्ति ने सरलता पूर्वक प्रतिभागियों के मन में चल रही कई भ्रांतियों को दूर किया। कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी राम अनिरुद्ध ने कार्पस में विश्लेषण पद्धति से प्रतिभागियों को अवगत कराया। भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. धनजी प्रसाद ने अपने द्वारा विकसित प्रमुख सॉफ्टवेयरों को कार्यशाला में प्रतिभागियों क समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें वर्तनी परीक्षक, रूप विश्लेषक, खोजी उपकरण, देवनागरी से रोमन परिवर्तक, द्विभाषी शब्दकोष आदि प्रमुख सॉफ्टवेअर थे।

भाषा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हनुमानप्रासाद शुक्ल ने प्रोफेसर कवि नारायण मूर्ति को सूत की माला एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका आभार प्रकट किया।

दैनिक भास्कर
नागपुर, रविवार, 18 जनवरी 2015,

गांधीजी के विचार प्रेरणादायीः प्रा. झा

ब्यूरो. वर्धा.

मनोविज्ञान विभाग द्वारा स्थापित संवाद मंच की ओर से प्रथम विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षाविद प्रो. अरविंद कुमार झा थे। झा ने गांधीजी के शैक्षणिक मनोविज्ञान संबंधित विचारों पर प्रेरणादायी विचार रखे।

प्रो. झा ने गांधीजी के सत्य एवं अंहिसा जैसे सिद्धांतों पर विशद रूप से प्रकाश डाला तथा क्षमा को एक मूल्य नहीं बल्कि कौशल के रूप में समझने पर जोर दिया। क्षमा को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि ये आहत होने वाले एवं आहत करने वाले के संवेंग एंव अभिवृत्ति के स्तर पर पाई जानी चाहिए। न कि सिर्फ शाब्दिक स्तर पर। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के लिए गांधीजी के विचारों के अनुरूप उन्होंने कई शोध विषय भी सुझाए। उनके व्याख्यान के उपरांत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अनेक जिज्ञासाएं एवं विचार व्यक्त किए। डा. शंभू जोशी ने राष्ट्र की अवधारणा पर मनोवैज्ञानिक दृष्टि से

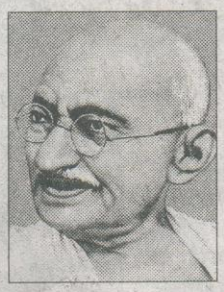

विचार किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। एमएससी के छात्र सौरभ राय ने कसाब को फांसी न दिए जाने पर मनोवैज्ञानिक परिणामों के विषयों में सवाल पूछे । एम.ए. जन संचार के विद्यार्थी रजनीश कुमार त्रिपाठी ने बाल अपराधियों द्वारा बाल सुधार गृह में अपना समय व्यतीत करने के उपरांत पुनः अपराध न करें इसके लिए क्या मनोवैज्ञानिक उपाय किए जाएं? के संबंध में प्रश्न किया। वहीं अहिंसा एवं शांति अध्ययन के ब्रजेश कुमार शाक्य ने यह पूछा कि भारत- पाकिस्तान मतभेद के संदर्भ में क्या जनता हिंसा पसंद करती है। एम.ए जनसंचार के राम सुंदर कुमार ने गांधीजी के द्वारा अंहिसा को मानते हुए भी उनके द्वारा करो -या- मरो का नारा दिए जाने पर प्रश्न किया। मनोविज्ञान विभाग के छात्र महेश तिवारी ने पूछा की हिंसा, क्रुरता, कुंठा,तृष्णा के बीच में एक श्रंखलात्मक संबंध है इन सब में हिंसा को रोकने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कौन सा होगा? अहिंसा एवं शांति विभाग में शोध कार्य कर रहीं भारती देवी ने वर्तमान समाज में गांधीजी के विचारों की प्रासंगिकता के विषय में सवाल उठाये।

कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अनिल के. राय अंकित ने गांधीजी के विचारों को अगाध सागर सदृश्य बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि गांधीजी के विचारों को संपूर्णता में समझने की आवश्यकता है तथा गांधीजी के सिद्धांतों को आचरण में उतार कर उनका अनुभव करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि गांधीजी के विचारों पर बेहतर शोध कार्य हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अनिल के राय ने किया। कार्यक्रम का व्यवस्था प्रभार डा. अमित कुमार त्रिपाठी ने संभाला। कार्यक्रम का संचालन डा. अरुण प्रताप सिंह ने किया।